#### uns engla मुरादाबाद से प्रकाशित 6 अंक:- 177 मुरादाबाद (Saturday) 18 October 2025 भारत सरकार से रजिस्टर्ड पुष्ठ:- 08 RNI No.UPBIL/2021/83001 मुल्यः 3.00 रूपया

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

#### स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एमके१ए ने भरी पहली उड़ान, हाथ थामा... गले लगाया, राजनाथ सिंह बोले- मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया

नासिक स्थित एचएएल की एयरकाफट मैन्युफैक्करिंग डिविजन में हर साल आठ लड़ाकू विमानों का निर्माण करने की क्षमता है। इसके अलावा बंगलूरू में तेजस की दो प्रोडक्शन लाइन स्थित हैं, जहां हर साल 16 लड़ाकू विमान बनाए जा रहे हैं।भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एमके1ए ने आज अपनी पहली उड़ान भरी। हिंदुस्तान एयरोनोटिक्स लिमिटेड के नासिक स्थित एयर काफट मैन्य फैक्करिंग डिविजन में यह उड़ान हुई। भारत में लड़ाकू विमान निर्माण की दिशा में यह अहम पल है। इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने

#### संक्षिप्त समाचार

परिणाम भुगत नहीं पाओगे....संत प्रेमानंद महाराज के कठोर शब्द, ऐसे लोगों को दे डाली ये चेतावनी फेसबुक और इंस्टाग्राम पर

इन दिनों संत प्रेमानंद महाराज

के फर्जी और पुराने वीडियो

वायरल किए जा रहे हैं। इसे लेकर संत प्रेमानंद की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि फर्जी वीडियो से उनको कष्ट नहीं हो रहा, लेकिन श्रीजी में आस्था रखने वाले भक्तों को हो रहा है। सोशल मीडिया पर संत प्रेमानंद की परानी और फर्जी वीडियो डालने वालों को संत प्रेमानंद महाराज ने नसीहत दी है उन्होंने कहा कि फर्जी वीडियो से उनको कष्ट नहीं हो रहा लेकिन श्रीजी में आस्था रखने वाले भक्तों को हो रहा है वह दूर दराज से आश्रम में पता करने के लिए आ रहे हैं। ऐसा करने वालों से वह कहना चाहते हैं कि इसका परिणाम भुगत पाएंगे।दरअसल, संत प्रेमानंद महाराज की पदयात्रा अनिश्चितकाल के लिए स्थिगित होने के बाद फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फर्जी और पुरानी वीडियो की बाढ़ आ गई। इन वीडियो को देखकर लोग चिंतित होने लगे। लोग उनके आश्रम आकर जानकारी लेने लगे तो वहीं कई लोग अपने परिचितों से जानकारी करने में जुट गए।एकांतिक वार्तालाप में संत नवल नागरी ने संत प्रेमानंद महाराज से कहा कि कुछ लोग फर्जी वीडियो डाल रहे हैं। जब 2020 में आपकी तिबयत खराब थी, उन वीडियो के जरिए अब भ्रम पैदा किया जा रहा है। तभी एक युवक ने कहा कि महाराज वह मिलने आ रहा था, लेकिन तभी पापा का फोन आया कि उनकी तबीयत

खराब है



भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। राजनाथ सिंह आज एलसीए एमके1ए की तीसरी प्रोडक्शन लाइन और साथ ही एचटीटी-40 एयरकाफ्ट की दूसरी प्रोडक्शन लाइन का भी उद्घाटन करेंगे।राजनाथ सिंह बोले- ये उड़ान, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता

इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, %आज, एचएएल की तीसरी उत्पादन लाइन का उद्घाटन हो रहा है, जो एलसीए एचटीटी 40 विमान की दूसरी उत्पादन लाइन है। मैं एचएएल नासिक एक ऐतिहासिक भूमि

ताकत का प्रतिनिधित्व करता है। जब मैंने आज सुखोई Su-30, एलसीए तेजस और HTT-40 को उड़ान भरते देखा, तो मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया। ये उड़ान, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की मिसाल है। एचएएल ने भारत के लिए एक मजबूत स्तंभ के रूप में काम किया है। 60 से अधिक वर्षों से, एचएएल नासिक ने भारत की रक्षा निर्माण क्षमताओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया एमके 1 ए तेजस बनाती है, और है दूसरी ओर, यह विनाश का भी प्रतिनिधित्व करता है और इसमें शत्रुओं को समाप्त करने में सभी को बधाई देता हूं। की शक्ति होती है। घरेलू विनिर्माण 100 प्रतिशत तक ले है जहां भगवान शिव त्र्यंबक के जाने का लक्ष्य- राजनाथ सिंह रूप में निवास करते हैं। नासिक ने कहा, एक समय था जब देश आस्था, भक्ति, आत्मनिर्भरता अपनी रक्षा जरूरतों के लिए तेजस एमके 1ए को वायुसेना में

लगभग 65-70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किए जाते थे लेकिन आज, यह स्थिति बदल गई है; अब भारत 65 प्रतिशत विनिर्माण अपनी धरती पर कर रहा है। बहुत जल्द, हम अपने घरेलू विनिर्माण को भी 100 प्रतिशत तक ले जाएंगे।% राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 25 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो कुछ साल पहले एक हजार करोड़ रुपये से भी कम था। रक्षा मंत्री ने कहा कि %हमने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में तीन लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50 हजार करोड़ रुपये हासिल करने का लक्ष्य रखा है।%अगले चार साल में वायुसेना को 83 लड़ाकू विमान देने का लक्ष्य

और क्षमता का प्रतीक बन गया दूसरे देशों पर निर्भर था और शामिल करने की तारीखों का

वायुसेना को 83 तेजस मार्क1ए लड़ाकू विमानों की आपूर्ति की जाएगी। अमेरिकी इंजन की आपूर्ति में देरी की वजह से पहले ही देरी हो रही है। नासिक स्थित एचएएल की एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्करिंग डिविजन में हर साल आठ लड़ाकू विमानों का निर्माण करने की क्षमता है। इसके अलावा बंगलूरू में तेजस की दो प्रोडक्शन लाइन स्थित हैं, जहां हर साल 16 लड़ाकू विमान बनाए जा रहे हैं। इस तरह नासिक की प्रोडक्शन लाइन शुरू होने के बाद हर साल 24 लड़ाकू विमानों का निर्माण होगा। उन्नत, बहुउद्देश्यीय है तेजस एमके1ए लड़ाकू विमान तेजस मार्क 1 संस्करण एक उन्नत, बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है। यह स्वदेशी 4.5-पीढ़ी का विमान है, जो सभी मौसमों में काम करने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है। ये लड़ाकू विमान उच्च-खतरे वाले हवाई वातावरण में तैनाती के लिए डिजाइन किए गए हैं। तेजस ख्झ-३ में तेजस Mk-1 संस्करण की तुलना में कई उन्नत सुविधाएं हैं, जिनमें इस्राइली EL/M-2025 AES रडार, जैमर युक्त उन्नत इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट और बियॉन्ड विजुअल रेंज (BVR)

एलान नहीं हुआ है, लेकिन

एचएएल का कहना है कि आने

वाले चार वर्षों में भारतीय

के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार की सुबह रायबरेली के ऊंचाहार में मॉब लिंचिंग का शिकार हुए हरिओम वाल्मीकि के परिवार से काफी देर तक मुलाकात की। इस दौरान हरिओम के परिजन राहुल से मिलकर भावुक हो गए। बेटे गले भी लगाया। कांग्रेस नेता के सामने हरिओम की मां फूट-सदमे में डूबा था। राहुल गांधी ने हरिओम के पिता का न केवल हाथ थामा बल्कि उन्हें गले भी

को न्याय दिलाने और हर कदम देश को झकझोर दिया। बताया उन्होंने कोई गलती नहीं की है। जाता है कि पिटाई के दौरान मैं ने मृतक के परिवार से सियासी रूप ले लिया था कांग्रेस के खिलाफ अत्याचार होगा, सांसद राहुल गांधी ने दो अक्तूबर कांग्रेस वहां होगी और हम हर हूं। अपराध इस परिवार ने नहीं

को रायबरेली में कथित तौर पर संभव मदद प्रदान करेंगे और पीट-पीटकर हत्या मारे गए न्याय के लिए लड़ेंगे इससे पहले हरिओम वाल्मीकि के परिवार शुक्रवार सुबह परिवार ने राहुल से मुलाकात के बाद कहा कि, गांधी से मुलाकात करने से साफ कुछ दिन पहले दलित अफसर इनकार कर दिया था। हरिओम ने आत्महत्या की थी। मैं वहां के भाई शिवम ने कहा है कि मैं गया और आज मैं यहां आया सरकार की कार्रवाई से संतुष्ट हूं। इस मामले में किसी तरह किया, अपराध इनके खिलाफ की राजनीति नहीं चाहते हैं। मेरे किया गया है और लग ऐसा भाई के हत्यारों को जेल भेजा रहा है कि यह लोग अपराधी गया है और बहन को नौकरी हैं। इन्हें घर में बंद कर रखा है, भी दी गई है। हम चाहते हैं कि इन्हें डराया जा रहा है। ये लोग कांग्रेस और अन्य राजनैतिक केवल न्याय मांग रहे हैं। हमारे पार्टियों के नेता राजनीति करने बेटे, हमारे भाई को मारा गया न आएं। माना जा रहा है कि है। उसकी हत्या की गई है। परिवार अब राजनीतिक हस्तक्षेप हम केवल न्याय मांग रहे हैं।पूरे से दूर रहना चाहता है, क्योंकि देश में दलितों के खिलाफ मामले में प्रशासन ने त्वरित विकासशील इंसाान पार्टी के

सहनी ने खुद कहा है कि

महागठबंधन में सबकुछ ठीक

है। जल्द ही सीट बंटवारे की

घोषणा कर दी जाएगी।बिहार

चुनाव के पहले चरण की

विधानसभा सीटों पर नामांकन

का आज आखिरी दिन है। अब

तक महागठबंधन यह घोषणा

नहीं की है की किस दल को

कितनी सीटें दी गई है। लेकिन

मुकेश सहनी नहीं लड़ेंगे चुनाव, बंटवारे



को लेकर पेंच फंसा हुआ था, उसका समाधान हो गया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के करीबी और विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी की डील अंतत: फाइनल हो गई है। रोसा दिलाया। साथ ही उनके खाते में 15 सीटें दी है। इतना ही नहीं मुकेश सहनी को राज्यसभा और विकासशील इंसान पार्टी के दो लोगों को विधान परिषद पिछले कुछ दिनों से जिस बात भेजा जाएगा ।

#### छात्रवृत्ति से वींचत नहीं रहेगा कोई भी छात्र, सीएम योगी बोले-हर एक बच्चे में समाज को बदलने की क्षमता

साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का उल्लेख करते हुए कहा, बाबा साहब ने कहा था कि पढ़-लिखकर ही हम स्वावलंबी बन सकते हैं और समाज के लिए कुछ कर सकते हैं।सीएम योगी आदित्यनाथ ने छात्र–छात्राओं को बड़ी सौगात दी। दशमोत्तर व पूर्वदशम छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम के अंतर्गत एक साथ 10 लाख 28 हजार 205 विद्यार्थियों को 300 करोड़ की छात्रवृत्ति राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में प्रेषित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा, इससे पहले भी विजयादशमी के अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी गई थी।पहले छात्रवृत्ति वितरण प्रक्रिया में भेदभाव, विलंब और भ्रष्टाचार जैसी समस्याएं आम थीं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में टेक्नोलॉजी आधारित डीबीटी प्रणाली लागू होने से अब पात्र छात्रों के खाते में राशि सीधे पहुंच रही है। अब छात्रवृत्ति वर्ष में एक बार नहीं बल्कि दो चरणों में (अक्टूबर और जनवरी में) दी जाएगी, ताकि छात्रों को समय पर सहायता मिले। वर्ष



2016-17 तक जहां केवल 8.64 लाख विद्यार्थी छात्रवृत्ति से लाभान्वित होते थे, वहीं अब यह संख्या 62 लाख तक पहुंच गई है।पारदर्शी और तकनीक आधारित व्यवस्था सीएम योगी ने कहा, सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी पात्र छात्र छात्रवृत्ति से वंचित न रहे। गत वर्ष जिन विद्यार्थियों को संस्थानों की लापरवाही या पोर्टल की त्रुटियों के कारण छात्रवृत्ति नहीं मिल पाई थी, उनके लिए पोर्टल को पुन: सिक्रय किया गया है। जैसे ही डेटा एंट्री पूरी होगी, एक विशेष समारोह में उन्हें भी डीबीटी के माध्यम से राशि दी जाएगी। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है कि प्रदेश का कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे, हर छात्र अपने सपनों की उड़ान भर सके। शिक्षा ही पहलें- सीएम योगी ने स्वावलंबन का मार्ग- सीएम

डॉ. भीमराव आंबेडकर का उल्लेख करते हुए कहा, बाबा साहब ने कहा था कि पढ़-लिखकर ही हम स्वावलंबी बन सकते हैं और समाज के लिए कुछ कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी बाबा साहब ने शिक्षा के बल पर अपनी राह बनाई। आज हमारे पास संसाधनों की कमी नहीं, आवश्यकता है मेहनत, अनुशासन और लगन की। जारी की बल्कि दो वर्षों की छात्रवृत्ति एक साथ दी। हमारा स्पष्ट संकल्प है कि किसी भी विद्यार्थी के साथ भेदभाव नहीं होगा। ईमानदारी, पारदर्शिता और समान अवसर हमारी सरकार की प्राथमिकता है। शिक्षा-सशक्तिकरण की नई कहा,प्रधानमंत्री मोदी जी के

पहलें की गई हैं। अटल आवासीय विद्यालय के माध्यम से सभी 18 कमिश्नरी में विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जहां श्रमिक परिवारों के बच्चों को निऱ्शुल्क शिक्षा, आवास और भोजन की सुविधा मिल रही है। आश्रम पद्धति विद्यालय के अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए उत्कृष्ट शिक्षा, आवास और भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। कस्तूरबा बालिका विद्यालय के माध्यम से गरीब और वंचित वर्ग की बालिकाओं को इंटरमीडिएट स्तर तक नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है। अभ्युदय कोचिंग योजना के तहत प्रदेश के प्रत्येक जनपद में प्रतियोगी परीक्षाओं की नि:शुल्क तैयारी का अवसर मिल रहा है, जिससे अब छात्रों को बाहर नहीं जाना पड़ता। सामाजिक सुरक्षा की दिशा में कदम- सीएम योगी ने कहा, समाज कल्याण विभाग के माध्यम से प्रदेश के 1 करोड़ 5 लाख परिवारों को 12,000 वार्षिक पेंशन डीबीटी के जरिए दी जा रही है। पहले 300

मार्गदर्शन में प्रदेश में शिक्षा-

सशक्तिकरण के लिए कई नई जाती थी, जिसमें बिचौलिये हिस्सा खा जाते थे। हमारी सरकार ने इसे बढाकर अब 1,000 प्रति माह किया है। मुख्यमंत्री साम्हिक विवाह योजना के तहत अब तक 4 लाख से अधिक बेटियों के विवाह कराए जा चुके हैं। प्रत्येक विवाह हेतु 1 लाख की सहायता राशि दी जाती है। गरीबी उन्मूलन में ऐतिहासिक उपलब्धि- सीएम योगी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में देश और प्रदेश ने अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। देश में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं,जबिक उत्तर प्रदेश में 6 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का शताब्दी संकल्प 2047 हमें प्रेरित करता है कि शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक न्याय के माध्यम से हम नवभारत के निर्माण में सहभागी बनें।हर छात्र में है समाज बदलने की क्षमता-मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से अनुसूचित जाति और जनजाति के विद्यार्थियों से कहा कि स्कूल अवश्य जाएं।

# इमोशनल हुए, कुछ ऐसे हरिओम के परिवार से मिले राहुल गांधी यूपी के फतेहपुर जिले में विपक्ष लगाया। हरिओम की मां के

घटनाएं हो रही हैं। मैं मुख्यमंत्री

से कहना चाहता हूं, इन्हें न्याय

दीजिए, इनका सम्मान कीजिए।

जो अपराधी हैं उनके खिलाफ

जल्द से जल्द कार्रवाई कीजिए

और उनकी रक्षा करने का प्रयास

मत कीजिए...(पीड़ित परिवार)

मुझ से मिलें, मुझ से ना मिलें

यह जरूरी नहीं है, बल्कि जरूरी

बात यह है कि ये लोग अपराधी

नहीं हैं। इन्होंने कोई गलती नहीं

की है... अपराधी दूसरे लोग हैं

और उनके खिलाफ कार्रवाई

होनी चाहिए। मैंने आज यहां

आकर इनसे बातचीत की, इनका

दर्द और दुख सुना और कांग्रेस

पार्टी और मेरा प्रयास है कि

हम जो मदद कर सकते हैं हम

करेंगे।लोकसभा नेता राहुल

सरकार ने परिवार को मुझसे न

मिलने की धमकी दी, यह

महत्वपूर्ण नहीं है कि पीड़ित

परिवार मुझसे मिलता है या

सामने भी राहुल गांधी भी भावुक हो गए। हरिओम की मां राहुल के सामने फफक पड़ीं। बेटे की मौत पर दुख जताया। कांग्रेस नेता ने उनका हाथ पकड़कर उन्हें शांत कराया। इस दौरान राहुल गांधी ने परिवार हरिओम को खोने के बाद पर उनका साथ देने का आश्वासन गांधी ने कहा कि आज सुबह परिवार सदमे में है। राहुल दिया।यूपी के रायबरेली जिले गांधी ने संवेदना व्यक्त की और के ऊंचाहार में 2 अक्तूबर को परिवार के सदस्यों का हाथ चोर समझकर भीड़ ने बर्बरता अपने हाथ में थाम लिया। से हरिओम वाल्मीकि की पिटाई मार्मिक मुलाकात के दौरान की। जिससे उसकी मौत हो गई। नहीं, लेकिन महत्वपूर्ण यह है राहुल ने हरिओम के पिता को मॉब लिंचिंग की घटना ने पूरे कि ये लोग अपराधी नहीं हैं। फ्टकर रोने लगीं। इसपर राहुल हरिओम ने अपना नाम और पता मुलाकात की और उनकी बात ने उनका हाथ थामकर ढांढस भी बताया था। इसके अलावा सुनी। कांग्रेस पार्टी और मैं बंधाया। शुऋवार सुबह जब अंतिम सांसों में कांग्रेस नेता परिवार को हर संभव मदद कांग्रेस नेता मृतक हरिओम के राहुल गांधी का नाम भी लिया प्रदान करने की पूरी कोशिश घर पहुंचे तो शोकाकुल परिवार था। जिसके बाद इस मुद्दे ने बड़ा करेंगे। देश में जहां भी दलितों मासिक पेंशन छह महीने में दी

> अत्याचार, हत्याएं, दुष्कर्म जैसी कार्रवाई की है। में 15 सीट के अलावा मिला यह ऑफर

#### सपादकीय Editorial

## The Aravalli Range, a

**Home to Diversity** The climate here is hot, semi-arid, and dry The Aravalli Range borders the region to the southeast, and the Thar Desert and the Indus Valley Desert surround it. The Aravalli Range, dating back 1.5 billion years, is one of the oldest mountain ranges in the world. It is a beautiful and picturesque chain of peaks and valleys, covered with both sand and green cover, whose beauty is simply unmatched! The geographical features of its various regions provide habitat for a wide variety of species. It is surrounded by the Thar Desert and numerous rivers, such as the Banas, Luni, and Sabarmati. The Aravalli Biodiversity Park represents ecological restoration here. The thorny scrub forests of the western Aravalli range are considered desert and dry shrublands. This region, which receives 500 to 600 mm of rainfall annually, is prone to typhoons. The climate here is hot, semi-arid, and dry. The Aravalli range surrounds the region to the southeast, and the Thar Desert and the Indus Valley Desert lie within its boundaries. Acacia senegal and Acacia lucophloea, also known as revanja, are the dominant trees in this forest. Acacia senegal is known as kheer (sweet). The gum produced from it known as kumt (sweet clover) in Barmer, Rajasthan, is known for its medicinal properties. A substance made from revanja's white bark is used in Ayurvedic preparations that treat digestive problems. Numerous other xerophytic plants are also found here. Of the approximately 90 mammal species, some are carnivorous and some are herbivorous. Leopards are found here. preying on the chinkara, a type of gazelle. The Indian desert cat, or Asiatic wild cat, is a prominent species. Nilgai, blackbuck, and four-horned antelope are among the herbivores. The Indian gerbil is found here, preyed upon by some carnivorous animals, and it burrows in the sand for food and shelter. The Western Aravalli Forest is home to over 400 bird species, many of which are migratory, such as the Jacobin Cuckoo. The Great Indian Bustard, or Great Indian Bustard, is a critically endangered species, and the Lesser Florican, or Kharmor, is also a prominent species. The Bishnoi community has taken up the responsibility of protecting this forest and has given the blackbuck its status. The Kathiawar Gir Dry Deciduous Forest is located primarily within the Aravalli Range. This region has an arid climate. This forest originates in Gujarat and extends into Rajasthan and Madhya Pradesh. The most notable species in some parts of this forest is teak. Terminalia pendula, or Dhok, is found in abundance in dry areas. Thorny trees and shrubs predominate in the drier parts. Mount Abu is part of this forest. It has a tropical monsoon climate. Mangar Bani is a village on the Delhi-Haryana border, located in the northern Aravallis. "Bani" is the name of the forest in the local language. It is considered a high biodiversity zone. More than 300 native trees and 100 plants are found here, and it is 95% covered with Dhok trees. It is a revered site due to the famous Gudaria Das Baba Temple, which is considered sacred to the Gujjar community. This community protects this grove. Mangar Bani is also an archaeological site. It is part of the Northern Aravalli Leopard Wildlife Corridor. There are two wildlife corridors in the Aravalli range, which provide leopards with hunting grounds and promote wildlife interaction. Encroachment is causing forest loss. Granite and marble mining is destroying habitat in the western Aravallis. Restrictions have been imposed on mining quantities, and enforcement is crucial. Due to environmental degradation in the Aravalli region, many species have lost their habitats. To protect the environment

it is important to increase awareness.

# Ayodhya's ancient form should be preserved; the absence of the Ayodhya spirit in valuable development projects is a matter of concern.

Any new construction becomes the subject of archaeological research. This is the reality of the world. While beautifying Ayodhya, we should not ignore the idea that when future generations come searching for Ayodhya, they will find references to the Ramayana here, or they will find evidence of virtual constructions fabricated under the pressure of today's electoral circumstances. Ayodhya, ready to be illuminated on

Diwali, is the first city of Lord settlement. This antiquity also concepts of the values ??of world, the definition of effort has salvation does not discipline our unique idea in our knowledge the center of all Indian literature. means the existence of our eternal and colonial intrigues tarnished Now, as Ayodhya is on its way to spirituality, reaching this stage force exerted, not just by religion stage. Political parties invariably history, geography, and folk faith has reached this point by neutral perspective, it can be seen transformed the BJP from the



Vishnu. This implies its oldest preserves the primitive Sanatan Dharma. In today's changed, and the desire for lives. However, liberation is a tradition, which is present at The existence of Ayodhya vision of life. Invading visitors Ayodhya for generations. reassert its identity and reveals the significant political and culture, to reach this make matters of the country's their agenda. Avodhva, too, becoming an agenda. From a that Shri Ram Janmabhoomi opposition to the ruling party.

The BJP also spared no effort in transforming desolate Ayodhya into a vibrant city, but amidst this transformation, certain points become visible that raise questions. The question of what should be the standard for Ayodhya, emerging in modernity, is becoming more pressing. Ayodhya's eternal identity is that of a religious city. It is the primary center of Hinduism in the Vedas, Puranas, Agamas, and numerous other literature. However, it is doubtful how carefully political experiments disguised as cultural harmony are upholding this identity. Due to its nationwide acceptance, Ayodhya is facing concerns of becoming a laboratory for political equations. This may prove to be a costly price for regaining the birthplace of Lord Ram. Several such incidents have emerged in recent years, which are understandable to note. The BJP's defeat in the Ayodhya parliamentary seat and its subsequent efforts to win the Milkipur assembly by-election both serve as examples of the tarnishing of Ayodhya's original character. Similarly, the frequent absence of an Ayodhya-like spirit in Ayodhya's valuable development projects is concerning. Ayodhya takes no stand beyond the service of its monasteries and temples or their preservation and promotion. The adverse effect of this is that no voice is heard advocating for a changing and often distorted Ayodhya. Most projects are developed by companies and contractors, and the government grants them permission and funding. Ayodhya remains ignorant of its relevance or identity. At the request of Ayodhya's saints, nearly 150 inscriptions were erected during British rule to preserve certain landmarks. Even within the inner Ayodhya, their verification and preservation are lacking. It would be more appropriate for Ayodhya's identity to be mythological or Ramayana-themed. A more thoughtful approach to honoring the nation's great figures could be found here. A few days ago, a road in Ayodhya was renamed after a renowned southern scholar. This road had long been dedicated by the municipal corporation to a distinguished figure in Ayodhya's musical tradition. He was a pride of Ayodhya's musical tradition, but his successors were unable to prevent this renaming. The question here is not limited to the existence or non-existence of a single name. The concern is about the destruction of Ayodhya's own locality and originality in Ayodhya's globalization. Recently, the Brihaspati Kund, a legendary site in Ayodhya, was renovated and inaugurated. This Brihaspati Kund, which has become extremely narrow due to encroachment and the widening of the Rampath, is an important site located in the central part of Ayodhya, mentioned in the fourteenth chapter of the Rudrayamla and the seventh chapter of the Ayodhya Mahatmya of the Skanda Purana. During the restoration of this Kund, statues of three prominent saints of South India have been installed here. This is welcome. The site's decoration includes Buddha's faces on both sides of the entrance, but no statue of Devguru Brihaspati has been installed at this place, which bears the mythological identity of Brihaspati Kund. Any new construction becomes the subject of archaeological research. This is the reality of the world. While beautifying Ayodhya, we must not ignore the idea that when future generations come searching for Ayodhya, they will find references to the Ramayana here, or they will find evidence of imaginary constructions fabricated under the pressure of today's electoral circumstances. Those familiar with the scriptures know that Ayodhya has been a syncretic place since its ancient location. Its hundreds of pilgrimage sites, historical sites, and stories are examples of the unity of all of India. The restoration of this liberating city should not be at the cost of sacrificing its originality, history, and spirituality.

#### The Competition for Inclusive Politics: Which Way Will the 'Hands' Turn?

While most of Mayawati's supporters have been Jatavs, non-Jatav castes like Valmiki, Pasi, Dhobi, Kori, and Dom have generally been BJP supporters. In 2007, Mayawati secured the support of Brahmins, a feat no longer possible. Dalits received numerous benefits under the Modi-Yogi government, including the respect accorded to Babasaheb Ambedkar, and the inclusion of him in the political mainstream. Even under Mayawati's government, BSP chief Mayawati held a grand rally in Lucknow on October 9th, Kanshi Ram's 19th death anniversary. Since the 2012 Uttar Pradesh Assembly elections, the BSP has been steadily marginalized. Prime Minister Narendra Modi, making Varanasi his constituency, brought Dalits together with the slogan "Sabka Saath, Sabka Vikas." As a result, the BJP won all 17 reserved Lok Sabha seats in the state, deepening its penetration among Dalits. Dalits secured respectable positions in the government and the organization. However, in the 2024 Lok Sabha elections, the SP-Congress alliance spread the illusion among Dalits that Modi would cross the 400 mark and change Babasaheb Ambedkar's Constitution and abolish reservations. This led Dalits to abandon the BJP and join the SP. In such a situation, Mayawati would not want Dalits to remain associated with the SP. Therefore, she wants to unite Dalits and return them to the BSP. Will this be possible? Are the BJP and SP also options for Dalits? The question also arises: why should Dalits return to Mayawati? After losing to Akhilesh in 2012, Mayawati left Dalits in the lurch and headed to Delhi to pursue national politics. When the Mayawati government was formed in 2007, more Brahmins and Muslims than Dalits were given important positions in the cabinet and the party. Dalits were left feeling betrayed. While the formation of "her own government" preserved Dalit identity, their political aspirations remained unfulfilled. On the other hand, when Prime Minister Modi, abandoning the Tiwadi-identity based exclusionary politics, initiated the inclusive politics of ''Sabka Saath, Sabka Vikas,'' a large section of Dalits shifted towards the BJP. Mayawati was unable to carry forward the social engineering that brought her to power in 2007. Her social engineering was not a Dalit-Brahmin alliance, but rather, she expanded the BSP's support base across all castes. Could Mayawati not manage such a successful experiment? Sometimes, one doubts Mayawati's political maturity. She ran the party with a feudal mindset. Before the 2012 elections, she expelled Babu Singh Kushwaha and before the 2017 elections, Swami Prasad Maurya. If she had to expel them, she had to use them in the elections. In the 2019 Lok Sabha elections, she formed an alliance with her arch rival Akhilesh Yadav. As a result, the BSP won only one seat in the 2022 Assembly elections and failed to open its account in the 2024 Lok Sabha elections. Mayawati was accused of not actively contesting the last election in an attempt to indirectly support the BJP. She dismissed her successor, Akash Anand, during the 2024 election campaign, citing his "immature" recall. This raised suspicions that she intended to benefit the BJP by removing Akash, who was becoming overly aggressive toward the BJP and was engaging in Dalit identity politics. The social engineering model Mayawati adopted in 2007 had transitioned her from "Bahujan-Hitaay, Bahujan-Sukhaay" to "Sarvajan-Hitaay, Sarvajan-Sukhaay" (for the welfare of all), and she could not return to "Dalit-Identity" politics. Modi had created an "inclusive model" based on "Sabka Saath, Sabka Vikas" that was even stronger than Mayawati's model. Mayawati was unable to counter it. In 2024, Rahul and Akhilesh created a partially inclusive model based on the "PDA" (Backward, Dalit, Minority) by spreading confusion about the Constitution and reservations, the results of which were evident in the Uttar Pradesh Lok Sabha elections. Future politics will witness a competition between inclusive models. A party's electoral success or failure will depend on how many segments of society it can attract. However, Modi has added a new dimension to this. He has elevated caste identity to class identity. It's not that the BJP will ignore caste in ticket distribution or position allocation, but rather, it has subsumed all castes and religions into categories such as women, youth, farmers, laborers, beneficiaries, and the poor. Consequently, the BJP has accommodated all religions and castes under the umbrella of Hindutya and Sanatan Dharma. This underscores the party's forward-thinking vision and future strategy, which is the reason for its growing support base. Mayawati's activism and inaction both work in the BJP's favor. Her inactivity could lead to accusations of indirect support for the BJP, but her activism would also be beneficial to the BJP. In a three-way contest, the BSP formed governments in 2007 with 30 percent votes.

# मेरा कुछन बिगाड़ पाएगा तू... अभिषेक के ये शब्द नागवार गुजरे; अनुज ने दावत में साथियों के साथ मार डाला

अमरोहा में किसान अभिषेक की हत्या का खुलासा हो गया है। आरोपी अनुज ने दावत के कार्यक्रम में दस साल पुरानी घटना में कुछ नहीं बिगाड़ पाने का उलाहना देने पर अभिषेक की हत्या की थी। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यूपी की अमरोहा पुलिस ने किसान अभिषेक उर्फ भूरे हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। गांव के ही अनुज ने साथियों के साथ मिलकर वारदात को

अंजाम दिया था। पुलिस के मुताबिक दावत के कार्यक्रम बिगाड़ पाने का उलाहना देने पर हत्या की गई थी। कर कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को जेल भेज कब्जे से हत्या में प्रयुक्त तमंचा-कारतूस और बाइक आनंद ने बृहस्पतिवार को पुलिस ऑफिस में बताया ठेकेदार निरंजन ने मुनव्वरपुर के रहने वाले समरपाल परिसर में दावत का आयोजन किया था। इसमें के लोग शामिल हुए थे।दावत में हाशमपुर निवास गांव का ही अनुज भी साथियों के साथ दावत में अभिषेक व अनुज के बीच करीब दस साल पुरानी ने अनुज के भाई को मारी थी गोली 26 जनवरी भाई मनोज कुमार को गोली मारकर घायल कर ओमवीर के खिलाफ हत्या की कोशिश का मुकदमा के बीच समझौता हो गया लेकिन अनुज व अभिषेक थी। पुलिस ने बताया कि दावत में सभी लोगों ने ने अनुज पर तंज करते हुए पूर्व में हुई घटना का



पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार दिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के बरामद की है। एसपी अमित कुमार कि रिववार शाम नगर पालिका से जुड़े सिंह चौहान के श्रीभारत मशीनरी स्टोर हाशमपुर समेत आसपास के कई गांवों किसान अभिषेक भी आए थे। उनके आया था। पुलिस ने बताया कि रंजिश थी।जनवरी 2016 में अभिषेक 2016 में अभिषेक व दर्ज किया गया था। बाद में दोनों पक्षों के बीच बदले की चिंगारी सुलग रही शराब पी रखी थी।इस बीच अभिषेक उलाहना दिया। कहा कि पूर्व में भी

में दस साल पुरानी घटना में कुछ नहीं

मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाए, आगे भी इनको सबक सिखाएंगे। यह बात अनुज को नागवार गुजरी और अनुज ने हरविंदर व मनोज के साथ योजना बनाकर अभिषेक की गोली मारकर हत्या कर दी थी घटना को अंजाम देकर आरोपी भाग गए थे। मामले में मृतक अभिषेक के भाई ने अज्ञात के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। साथ ही अनुज और मनोज पर पुरानी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम देने का शक जताया था। सिर्विलांस और सीसीटीवी कैमरा की मदद से आरोपी गिरफ्तार एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे और एसओजी व सिर्विलांस टीम की मदद से पुलिस ने आरोपी अनुज और हरविंदर को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी कांठ बाईपास रोड पर छिपे थे। पुलिस मनोज की कर रही तलाश एसपी ने बताया कि घटना के बाद भागे मनोज व उनके साथियों की गिरफ्तारी के प्रयास किया जा रहे हैं। जल्दी पकड़ लिया जाएगा। दावत करने का उद्देश्य क्या था पुलिस कर रही जांच कांठ रोड स्थित श्री भारत मशीनरी स्टोर परिसर में निरंजन ने दावत का आयोजन क्यों और किस उद्देश्य से किया था। पुलिस इसकी भी जांच कर रही है। चर्चा है कि दिवाली से पहले क्षेत्र के कुछ चुनिंदा लोगों को दावत दी गई थी लेकिन दावत के पीछे का उद्देश्य क्या था यह स्पष्ट नहीं है। चर्चा यह भी है कि हाशमपुर गांव और आसपास का इलाका नगर पालिका अमरोहा के वार्ड 12 में आता है। इसलिए दावत के जिए आने वाले चुनाव की तैयारी है।

# इंडिया फोजन के ठिकानों पर छापे में 400 करोड़ की टैक्स चोरी के मिले सुराग, चार दिन चली आयकर कार्रवाई

संभल स्थित इंडिया फ्रोजन फूड्स कंपनी पर चार दिन चली आयकर विभाग की छापेमारी में करीब 400 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी के सुराग मिले हैं। टीमों ने बोगस कंपनियों के दस्तावेज, चार करोड़ के जेवरात, दो करोड़ से अधिक नकदी और अघोषित खातों की डायरियां बरामद कीं। जांच में अवैध पशु कटान और नकद लेन-देन का खुलासा हुआ है। संभल स्थित इंडिया फ्रोजन फूड्स कंपनी के

ठिकानों पर चार दिन से जारी आयकर विभाग करोड़ रुपये की टैक्स चोरी अंजाम दिए के छापों की कार्रवाई बृहस्पतिवार को समाप्त से तमाम बोगस कंपनियों से जुड़े संदिग्ध रजिस्ट्री, बैंक खातों की जानकारी और कई डायरियां बरामद की हैं। सूत्रों के मुताबिक दो करोड़ रुपये से अधिक नगदी भी बरामद द्वारा बड़े पैमाने पर अवैध पशुओं का कटान टीमों के आते ही तमाम कर्मी अपने मोबाइल बरामद कर लिया गया। आयकर विभाग के और करीबन 20 घरों में अलमारियां को जांच में जिन बोगस फर्मों का पता चला है, रहा था। अधिकारियों को शक है कि यह इस्तेमाल की जा रही थी, जिसके लिए बैंक था। कंपनी संचालक इन बोगस फर्मों के जिससे अधिकारियों का शक और पुख्ता हो आयकर विभाग के अधिकारियों ने बुधवार



के छापों की कार्रवाई के दौरान करीब 400 जाने के पुख्ता सुराग मिले हैं। आयकर विभाग हो गई।अधिकारियों ने कंपनी के ठिकानों दस्तावेज, मोबाइल फोन, जमीनों की अघोषित हिसाब-किताब के ब्योरे वाली छापे में करीब चार करोड़ के जेवरात और हुई है।जांच में सामने आया है कि कंपनी भी किया जा रहा था। कंपनी के ठिकानों पर और दस्तावेज छोड़कर भाग गए, जिन्हें अधिकारियों ने दिन–रात छानबीन जारी रखी तोड़कर दस्तावेजों को बरामद किया। वहीं उनके जरिये करोड़ों रुपये का लेन-देन हो रकम अवैध तरीके से पशुओं की खरीद में से नकदी निकाल कर भुगतान किया जाता मालिकों के बारे में जानकारी नहीं दे सके, गया है। संचालकों से होगी दोबारा पूछताछ-को कंपनी के संचालकों और कर्मचारियों

के बयान दर्ज किए। इस दौरान कई कर्मचारियों ने अपनी जान का खतरा बताकर बयान देने से मना कर दिया। अब बरामद दस्तावेजों की जांच के बाद कंपनी के संचालकों के साथ इन किमयों को भी राजधानी स्थित आयकर विभाग की जांच इकाई में नोटिस देकर तलब किया जाएगा, जिसके बाद उनसे दोबारा पूछताछ होगी और उनका बयान दर्ज किया जाएगा। बूचड़खानों में बुरे हालात- कंपनी के बूचड़खानों की जांच में तमाम अनियमितताएं मिली हैं। कंपनी द्वारा अनुमित से अधिक पशुओं का कटान किया जा रहा था। वहां के हालात देख अधिकारी भी हैरान रहे गए। वहीं कई ठिकानों पर जांच के लिए पहुंची टीमों को महिलाओं को आगे कर रोकने का प्रयास किया गया। अधिकारियों का कुछ अज्ञात लोगों द्वारा पीछा भी किया गया। इसके बावजूद अधिकारियों ने हर ठिकाने पर छापा मारकर सुबूत जुटाए। इसकी सूचना पर संभल पुलिस ने तत्काल अतिरिक्त फोर्स भेजी, जिसकी निगरानी में कार्रवाई अंजाम दी गई।

# गुरहट्टी से मंडी चौक के बीच बीस तक रूट डायवर्जन, दिवाली पर 82 प्वाइंटों पर तैनात रहेगी पुलिस

धनतेरस और दिवाली को देखते हुए पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है। शहर के मुख्य बाजारों में गुरहट्टी चौराहे से मंडी चौक तक वाहनों का संचालन, दोपहिया सहित, प्रतिबंधित रहेगा। यह व्यवस्था 17 से 20 अक्तूबर शाम 6 बजे तक लागू रहेगी। धनतेरस और दिवाली को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया। शहर के मुख्य बाजारों में वाहनों के संचालन पर रोक लगा दी गई है। गुरहट्टी चौराहे

से लेकर मंडी चौक तक दो पिहया वाहन भी नहीं चलेंगे। व्यवस्था शुक्रवार की दोपहर 12 बजे से लेकर 20 अक्तूबर करने वाले ग्राहकों और दुकानदार के लिए चार अस्थायी ने बताया कि गुरहट्टी चौराहे से कोतवाली की ओर केवल वाले वाहनों के लिए हिंदू कॉलेज में पार्किंग की व्यवस्था दिवाली को लेकर पुलिस ने सुरक्षा का चक्रव्यूह तैयार कर तैनात रहेंगी। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कांस्टेबल और आठ होमगार्ड तैनात किए गए हैं। कोतवाली ताड़ीखाना तिराहा में पुलिस तैनात रहेगी। इसी तरह मझोला, मूंढापांडे, पाकबड़ा में भी पुलिस टीमें अलग चौराहा से टाउनहॉल की ओर बाइक, स्कूटी, ई-रिक्शा, संचालन प्रतिबंध रहेगा। इन वाहनों के लिए मंडलायुक्त



इस दौरान वाहनों को बदले मार्ग से चलाया जाएगा।यह की शाम छह बजे तक रहेगी। इसके अलावा बाजारों में खरीदारी पार्किंग भी बनाई गई हैं। एसपी यातायात सुभाष चंद्र गंगवार पैदल ही जा सकेंगे जबिक इंपीरियल तिराहे की ओर से आने की गई है।82 प्वाइंटों पर रहेगी पुलिस – धनतेरस और लिया है। शहर में 82 प्वाइंट बनाए गए हैं जहां पुलिस टीमें कि 82 प्वाइंटों पर 77 दरोगा, 117 कांस्टेबल, 22 महिला में मंडी चौकी, बुधबजार, इंपीरियल तिराहा टाउनहॉल, मुगलपुरा, नागफनी, कटघर, गलशहीद, सिविल लाइंस, अलग प्वाइंटों पर तैनात रहेगी।यह रहेगी व्यवस्था गुरहट्टी ऑटो, कार समेत सभी तरह के वाहनों का पूरी तरह से कार्यालय के पास, जेल परिसर में पार्किंग की व्यवस्था की

गई है जबिक दो पिहया वाहन की पिर्किंग घास मंडी धर्मशाला में होगी निम का प्याऊ वाली गली से भी कोई वाहन गुरहट्टी चौराहे और टाउनहॉल की ओर नहीं जाएगा। इंपीरियल तिराहे से बुधबाजार की ओर जाने वाले वाहनों के लिए हिंदू कॉलेज में पिर्किंग की व्यवस्था रहेगी। बुधबाजार से आने वाले दो पिहया वाहनों के लिए टाउनहॉल स्थित सरकारी अस्पताल तक आ सकेंगे। ताड़ीखाना से बुधबाजार चौराहे की ओर जाने वाले केवल दो पिहया टाउनहॉल स्थित सरकारी अस्पताल तक आ सकेंगे। संभली गेट से मंडी चौक की तरफ आने वाले बाइक और छोटे वाहन गलशहीद थाने के सामने से होकर शहर की ओर जाएंगे। बाजार में नहीं घुस सकेंगे। एस कुमार चौराहा से मंडी चौक की ओर जाने वाले वाहनों को गोकुलदास गर्ल्स डिग्री कॉलेज के पास रोक दिया जाएगा। जामा मिस्जिद से मंडी चौक की ओर आने वाले बाइक, कार, ऑटो, ई-रिक्शा के लिए जीआईसी मैदान में पिर्किंग बनाई गई है। तहसील स्कूल से चौमुखा पुल और कटरा नाज से अमरोहा गेट की ओर भी किसी भी प्रकार के वाहन नहीं जा सकेंगे।असालतपुरा से अमरोहा गेट व बुध बाजार से असालतपुरा की ओर सभी तरह के वाहनों का संचालन बंद रहेगा। कांठ रोड पर मधुबनी तिराहा से साईं मंदिर की ओर बाइक, स्कूटर, ई-रिक्शा, कार, ऑटो नहीं जा सकेंगे। नवीननगर बाजार में कोई वाहन नहीं जाएगा। यहां आने वाले ग्राहकों को अपने वाहन तहसील के पास खड़े करने होंगे।

#### संक्षिप्त समाचार

मीट कारोबारियों के ठिकानों पर 86 घंटे तक जांच, 70 वाहनों से आए थे आयकर अधिकारी, दोस्तों के घर भी खंगाले

संभल के सरायतरीन निवासी मीट कारोबारियों के घर तथा फैक्टरी में आयकर विभाग की 86 घंटे तक कार्रवाई हुई कार्रवाई में 120 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे। यह जिले की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई बताई जा रही है।सरायतरीन निवासी मीट कारोबारी हाजी इमरान और हाजी इरफान के घर और गांव चिमियावली स्थित मीट फैक्टरी में आयकर विभाग की 86 घंटे लगातार छानबीन हुई। बृहस्पतिवार की शाम करीब साढ़े छह बजे टीमें रवाना हो गईं। फैक्टरी से 20 से ज्यादा कारों में सवार होकर अधिकारी व कर्मचारी रवाना हुए।इसके बाद सरायतरीन स्थित घर को भी छोड़ दिया। रिश्तेदार और परिचितों के घरों पर चल रही छानबीन भी बंद कर दी गई। आयकर के अधिकारी 70 से ज्यादा कारों में सवार होकर आए थे, जिन्होंने जिले के अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई की। सूत्रों का कहना है कि 120 से ज्यादा अधिकारी व कर्मचारी इस कार्रवाई में शामिल रहे।जिले की सबसे बड़ी कार्रवाई भी मानी जा रही है। मीट कारोबारियों के घर, फैक्टरी पर सोमवार की सुबह चार बजे टीमें पहुंच गई थीं। इसके बाद कारोबारियों के घर और फैक्टरी से किसी को नहीं निकलने दिया गया। हालांकि अधिकारी छानबीन के दौरान निकलते हुए देखे गए।माना जा

रहा है कि घर
और फैक्टरी में
छानबीन के
दौरान जो तथ्य
सामने आ रहे
थे और उन
तथ्यों से जुड़े
लोगों के घर
पर टीमें



छानबीन को पहुंची थीं। हालांकि कार्रवाई पूरी होने के बाद फैक्टरी में मौजूद कर्मचारी और मजदूर भी अपने–अपने घरों के लिए लौट गए। चार दिन तक चली इस कार्रवाई को लेकर जिलेभर में चर्चा है। माना जा रहा है कि जिले में यह सबसे बड़ी कार्रवाई है। इससे बड़ी कार्रवाई पहले कभी नहीं हुई है। परिचित के घर से बैग बरामद करने की चर्चा - चर्चा है कि मीट कारोबारियों के एक परिचित के घर से आयकर की टीम ने बैग बरामद किया है। इस बैग में क्या है इसकी जानकारी किसी को नहीं है। चर्चा है कि इस बैग में नकदी, जेवर या दस्तावेज हो सकते हैं। हालांकि इसकी जानकारी आयकर विभाग की ओर से ही दी जा सकती है। यह बैग भी सरायतरीन में चर्चा का विषय बना हुआ है। बोगस फर्म से जुड़े लोगों के घरों पर छानबीन-कई बोगस फर्म मिलने की चर्चा है। चर्चा यह भी है कि इन फर्म से जुड़े लोगों के घरों पर भी पहुंचकर टीम ने छानबीन की है। इन फर्मों में भी करोड़ों रुपये का लेनदेन किया गया है। इन फर्मों को रिश्तेदार और परिचित लोग ही संचालित कर रहे थे। इन फर्मों के माध्यम से पशुओं की खरीद फरोख्त की जाती थी। हालांकि इसकी पुष्टि आयकर विभाग की ओर से नहीं की गई है। जिलेभर में मीट की आपूर्ति बंद- जिलेभर में मीट की आपूर्ति ही इंडिया फ्रोजन फूड से होती थी। यह आपूर्ति कार्रवाई शुरू होने के बाद से बंद है। मीट कारोबारी दूसरे जिले से मीट ला रहे हैं। यह आपूर्ति भी कुछ ही दुकानों पर की जा रही है। ज्यादातर दुकानें बंद हो गई हैं। 150 से 180 लोगों का खाना पैक होकर फैक्टरी जा रहा था शहर के एक होटल से कार्रवाई चलने के दौरान सुबह का नाश्ता, दोपहर और शाम का खाना पैक होकर गया है। फैक्टरी में ही 150 से 180 लोगों का खाना हर दिन गया है। इसके अलावा फैक्टरी में भी खाना तैयार किए जाने की चर्चा चल रही है। 100 से ज्यादा कर्मचारी और मजदूर फैक्टरी में रहे। कार्रवाई पूरी होने के बाद ही जाने दिया गया। वहीं, आयकर की दूसरी टीमों ने दूसरे होटल में खाना और नाश्ता किया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

#### क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए०एच०प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक

हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

## बरेली में आज से विभिन्न स्थानों लगेगा अस्थाई पटाखा बाजार

#### जिले में 400 से ज्यादा दुकानें

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। दिवाली का त्योहार करीब है। इसे लेकर जहां बाजारों

में रौनक है, वहीं आतिशबाजी को लेकर बच्चों व युवाओं में उत्साह है। शहर में सात जगह समेत कस्बों में अस्थाई पटाखा बाजारों को अग्निशमन विभाग ने एनओसी दी है। जिले में करीब 400 दुकानें लगाई जानी हैं। कर्मियों की छुट्टी रद्द कर अधिकारी इंतजाम दुरुस्त करने में जुटे हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) मनु शर्मा



ने बताया कि शहर में सात स्थानों पर पटाखा बाजार लगाने की तैयारी है। जिले में करीब साठ स्थानों पर आतिशबाजी के लिए प्रशासनिक स्तर से अस्थाई लाइसेंस दिए जा रहे हैं। लगभग 400 दुकानें जिले में लगाई जा सकती हैं। इनमें से 60 जगहों पर दमकल खड़ी नहीं की जा सकतीं। फायरब्रिगेड के पास 11 बड़ी गाड़ियां और सात छोटी गाड़ियां हैं। ऐसे में अधिकतम 18 स्थानों पर ही गाड़ी खड़ी की जा सकती है। सीएफओ ने बताया कि दुकानदारों को ही बालू भरी बाल्टी, अग्निशमन उपकरण व अन्य संसाधन पूरे रखने के लिए कहा गया है। सीएफओ ने बताया कि अस्थाई बाजार 19 से 21 अक्तूबर तक संचालित रहेंगे। स्टाफ की छुट्टी 28 अक्तूबर तक निरस्त की जा चुकी है।

#### धनतेरस के लिए सज गया बाजार, पीतल और तांबे के बर्तनों की ज्यादा मांग रहेगी

क्यूँ न लिखुँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। दीपावली और धनतेरस से बर्तन बाजार को काफी

हैं। जीएसटी कम की खरीदारी को काफी उत्साह है। पर्व नजदीक आते ही बाजार सजने लगा है। तरह इस बार भी खरीदने की परंपरा लोगों में उत्साह मिल रहा है। इस बार से घटकर पांच जीएसटी रहने से



लोगों को सामान में पूजा बर्तन, दीपदान, गंगा आरती, खाना बनाने के बर्तन आदि खूब पसंद किए जा रहे हैं। वहीं स्वास्थ्य के लिहाज से लोग स्टील के बर्तनों के बजाय तांबे की ओर फिर से लौटने लगे हैं। इसमें टंकी, जग, बोतल, ग्लास आदि लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। कई तरह के प्रेशर कुकर की मांग भी है। विभिन्न ब्रांड के कुकर की भी खूब मांग है। यह एक हजार से तीन हजार रुपये तक के दाम में उपलब्ध हैं। इसी तरह नॉन स्टिक उत्पाद की भी आठ सौ रुपये से शुरुआत है। ट्राईप्लाई स्टील के बर्तन भी ग्राहकों को खूब पसंद आ रहे हैं। बर्तन व्यापारी विभु गुप्ता बताते हैं कि इस बार लोग स्टील के बर्तनों से दूरी बनाते हुए पारंपरिक पीतल और तांबे के बर्तनों की ओर लौट रहे हैं। सेहत के प्रति बढ़ती जागरूकता के चलते इन धातुओं से बने बर्तनों की मांग खासी बढ़ गई है। माना जा रहा है कि स्टील के मुकाबले पारंपरिक धातुएं खाना पकाने के लिए बेहतर हैं। त्योहार को देखते हुए बर्तनों की लंबी शृंखला उपलब्ध है। सजावटी बर्तन, किचनवेयर, फैंसी और खाना बनाने के बर्तन पसंद किए जा रहे हैं। जीएसटी की दर 12 से पांच प्रतिशत रह जाने से ग्राहकों को काफी

फायदा होगा, साथ ही पहले के मुकाबले बेहतर कारोबार होने की उम्मीद है।

#### हाथ में लाठी लेकर सड़क पर उतरे एसपी सिटी, शहर में निकाला फ्लैग मार्च

क्यूँ न लिखुँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। दीपावली और धनतेरस पर शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए बरेली पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया है। शुक्रवार को एसपी सिटी मानुष पारीक और

सीओ भारी पुलिस बल उतरे। दोनों नवलटी चौराहे से शुरुआत की, जो साहू गोपीनाथ श्यामगंज पर इस दौरान पुलिस उपकरणों से लैस



होकर मार्च में शामिल रहे। रास्ते में पुलिस अधिकारियों ने दुकानदारों और स्थानीय लोगों से बातचीत की और त्योहार के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। फ्लैग मार्च का मकसद सिर्फ त्योहार की सुरक्षा नहीं था, बल्कि 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद हुए बवाल के बाद माहौल को फिर से सामान्य और भरोसेमंद बनाना भी था। अधिकारियों ने साफ कहा कि पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है और किसी भी तरह की अफवाह या गड़बड़ी फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि दीपावली और धनतेरस पर बाजारों में भारी भीड़ रहती है। ऐसे में हर संवेदनशील इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। सभी थानों को अपने-अपने क्षेत्र में लगातार पैदल गश्त और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने कहा कि पुलिस की कोशिश है कि शहरवासी त्योहार का आनंद सुरक्षित माहौल में ले सकें। उन्होंने बताया कि बाजारों में सीसीटीवी कैमरों से रीयल टाइम निगरानी की जा रही है और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी विशेष इंतजा़म किए गए हैं, ताकि खरीदारी करने वाले लोगों को दिक्कत न हो।पुलिस प्रशासन का कहना है कि शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर स्तर पर निगरानी बढ़ाई गई है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें, ताकि दीपावली का पर्व शांतिपूर्ण और

#### श्री हरि मन्दिर मॉडल टाउन बरेली में श्रीमद्भागवत कथा में महारास का हुआ वर्णन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / कथा के षष्ठम दिवस आज शुऋवार को श्री हरि मंदिर मॉडल टाऊन बरेली में परम पूज्य गीता मनीषी परम पूज्य श्री वेदांता नन्द महाराज के कृपा पात्र शिष्य

ब्रह्मचारी पूज्य श्री वृंदावन धाम वालों के प्रांगण में सत्संग वर्षा हुआ। महाराज जी के भव्य स्वागत किया और दिव्य एवं ओजस्वी की भाषा में भक्तजनों महारास के पांचों

होने से बर्तनों

लेकर लोगों में

धनतेरस का

बर्तनों का

हर साल की

घर-घर बर्तन

को लेकर

देखने को

बर्तन पर 12

प्रतिशात

खुशहाल माहौल में मनाया जा सके।



भोलानंद महाराज,श्री द्वारा षष्ठम दिवस मंदिर में महारास का व्याख्यान पधारने पर मंदिर समिति द्वारा मालार्पण किया गया।अपनी वाणी से बहुत ही सरलता पर अपनी अमृतवाणी में अध्यायों का वर्णन किया।

आश्तोष शिवम

के साथ सड़कों पर

अधिकारियों ने

फ्लैंग मार्च की

कुतुबखाना बाजार,

जाकर समाप्त हुआ।

के जवान दंगा-रोधी

रोड होते

उन्होंने बताया कि यह पांच अध्याय भागवत जी के पंच प्राण है।कथा में भगवान का मथुरा प्रस्थान और कंस वध का वर्णन किया गया। उसके साथ ही सांदीपनी आश्रम में विद्या अध्ययन का प्रसंग भी सुनाया। गोपी उद्धव प्रसंग का भी वर्णन किया गया। आज की कथा के विश्राम से पूर्व महाराज जी ने रुक्मणि और भगवान श्री कृष्ण के व्याहुल्ला उत्सव को भी बड़ी धूम धाम से मनाया मंदिर समिति अध्यक्ष सुशील अरोरा,सचिव रवि छाबड़ा,संजय आनन्द, गोविन्द तनेजा,रंजन कुमार,जितन दुआ,विनोद भाटिया,कुल संजीव राय आदि मौजूद रहे मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने बताया परम पूज्य श्री भोलानंद महाराज की कथा 18 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक सत्संग की अमृत वर्षा करेगे। कल कथा का विश्राम दिवस भी है। पावन कार्तिक मास में महिला मंडल की सदस्यों द्वारा रोज प्रात: 5.30 बजे से 6.30 बजे तक सभी भगवानों की आरती हो रही है उसके पाश्चात्य पंडित जी द्वारा कार्तिक की कथा एवं महिमा का वर्णन किया जाता है, उपरांत सभी उपस्थित भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। यह पूरे प्रकिया पूरे कार्तिक मास तक चलेगी। श्री हरि मंदिर प्रबंध समिति बरेली एवं श्री कृष्ण कृपा प्रचार समिति आप सभी भक्तजन को सादर सपरिवार आमंत्रित करती है, आप सभी समय से पहुज कर लाभ ले।

### एसआरएमएस में साइबर ऋाइम कार्यशाला में बोले एसपी सिटी मानुष पारीक

#### ध्यान रहे सोशल मीडिया न करे हमारा इस्तेमाल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। एसपी सिटी मानुष पारीक ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स का सोच समझ कर इस्तेमाल करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स का इस्तेमाल करें, लेकिन ध्यान रखें कि ये सोशल मीडिया हमारा इस्तेमाल न करें। फ्री में उपलब्ध सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स के लिए हमारी प्रोफाइल, हमारा कंटेंट यानी डेटा महत्वपूर्ण है। इसी के

जरिये हम साइबर ऋाइम का शिकार होते हैं। ऐसे में न करें। अपनी हर बात, हर गतिविधि को जानकारी भी तरह का साइबर ऋाइम होने पर 24 घंटे के अंदर या ष्ट4ङ्कद्गह्म्ब्द्बद्वद्ग.द्दश्व1.द्ब्रु पर आनलाइन कंप्लेंट करें। एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार (17 इसमें एमबीबीएस के विद्यार्थियों को एसपी सिटी पिछले महीने नेपाल में पिछले महीने हुए हिंसक था। यह पीढ़ी सुबह उठते ही सबसे पहले मोबाइल से पहले तक उसी पर एक्टिव रहती है। इस आभासी हैशटैग ट्रेंड होते हैं। जिनका प्रभाव और दुष्प्रभाव को लाइक करने, अपनी हर बात, हर गतिविधियों प्राइवेसी सार्वजनिक करने से साइबर ऋाइम का शिकार मीडिया प्लेटफार्म पर सबसे ज्यादा सिक्रय हैं। ये साइबर एक्सटॉर्शन, डिजिटल अरेस्ट जैसे रूप में जागरूक रह कर इंटरनेट और सोशल प्लेटफार्म सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स के अलग-अलग पासवर्ड







सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी प्राइवेसी कभी सार्वजनिक इन प्लेटफार्म पर साझा करने से परहेज करें। फिर भी किसी हेल्पलाइन नंबर 1930 और 1090 पर इसकी शिकायत करें सतर्कता से ही साइबर क्राइम से बचा जा सकता है। अक्टूबर 2025) को साइबर ऋाइम पर कार्यशाला हुई। मानुष पारीक ने साइबर क्राइम की जानकारी दी। उन्होंने प्रदर्शन का उदाहरण दिया। कहा कि यह जेन जी का प्रदर्शन पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म चेक करती है और रात में सोने दुनिया में आइंडियोलॉजी और पॉलिटिक्स के लिए लगातार दिमाग पर पड़ता है। बिना सोचे समझे किसी भी हैश टैग को जानकारी इन प्लेटफार्म पर साझा करने और अपनी होने की आशंका बढ़ जाती है। साइबर अपराधी सोशल ऋाइम ये पिग बुचरिंग, साइबर बुलिंग, साइबर स्टॉकिंग, होता है। इससे बचने के लिए जागरूकता सबसे जरूरी है। एप्लीकेशंस का सावधानी से इस्तेमाल करें। अपने सभी रखें और उन्हें हर महीने बदलते रहें। अपने नाम, जन्मतिथि

पर आधारित पासवर्ड न बनाएं। समय समय पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स को अपडेट करते रहें। किसी भी एप्लिकेशन को डाउनलोड करते समय एप प्रोवाइडर को मोबाइल की फुल एक्सेस न दें। अपनी गैलरी, कांटैक्स, माइक और कैमरे का एक्सिस भी न दें। टू फैक्टर वेरिफिकेशन अपडेट करें। कोई भी अनजान फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें। अनजान लोगों के साइबर अपराधी होने की आशंका ज्यादा होती है। एसपी सिटी ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म के अकाउंट सेटिंग में जाकर बदलाव करें और अपनी प्रोफाइल को पब्लिक के लिए ओपन न करें। अपनी लोकेशन सार्वजनिक न करें। अनजान वीडियो कॉल को एक्सेप्ट न करें। सार्वजनिक वाईफाई के इस्तेमाल से परहेज करें। रात में सोने से पहले घर का वाईफाई बंद करें और मोबाइल का इंटरनेट भी आफ कर दें। संभव हो तो मोबाइल भी स्विच आफ करें तो ज्यादा बेहतर। साइबर अपराधी आपका नाम, फोन नंबर और आधार का इस्तेमाल कर के जरिये फ्रॉड को अंजाम देते हैं। ऐसे में ओटीपी शेयर न करें। सबसे बड़ी बात सोशल मीडिया हाइजीन को समझें। अपनी हर बात, दुख दर्द, खुशी, हर गतिविधि को जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर साझा न करें। एसपी सिटी मानुष पारीक ने लड़िकयों को साइबर स्टॉकिंग से सावधान किया। कहा कि किसी को भी वीडियो और फोटो कभी शेयर न करें। अश्लील साइट पर फोटो या वीडियो होने पर डरें नहीं। इसकी शिकायत साइबर ऋइम थाने में या स्रद्धष्ट्ट.ष्पद्व साइट पर आन लाइन करें। फेक सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाने की शिकायत भी वायलेशन आफ प्राइवेसी की वेबसाइट पर की जा सकती है। किसी भी तरह का साइबर ऋाइम होने पर 24 घंटे के अंदर हेल्पलाइन नंबर 1930 और 1090 पर इसकी शिकायत करें या ष्ट4ड्डद्रहस्रह्दद्वद्भ.द्दश1.द्वठ्ठ पर आनलाइन कंप्लेंट करें। कार्यशाला में मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने एसपी सिटी मानुष पारीक का स्वागत किया और स्मृति चिह्न प्रदान किया। इस मौके पर डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग, डा.समता तिवारी, डीएसडब्ल्यू डा.ऋांति कुमार और ऑफिस सुपिरटेंडेंट विनीत शर्मा मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

#### संक्षिप्त समाचार

#### शहर भर में करोड़ों की बिजली चोरी! विभाग वसूलेगा 12.57 करोड़ रुपये का जुर्माना

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहरभर में भरपूर बिजली सप्लाई न मिलने की शिकायतों के बीच, धड़ल्ले से %बिजली चोरी% भी जारी है। पिछले दो साल में अकेले शहर के अंदर ही करोड़ों रुपये की बिजली चोरी करके ऐश की गई। विद्युत विभाग ने छापेमारी में सदर तहसील क्षेत्र में चोरी के करीब करीब 574 केस पकड़े हैं-जिन पर 12.57 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। विद्युत विभाग ने वसूली की लिस्ट तहसील को भेज दी है। बरेली में हाल ही में हुए बवाल के बाद विद्युत विभाग ने सुर्खा बानखाना में छापेमारी कर, अवैध ई–रिक्शा चार्जिंग सेंटर पकड़ा था। ये सेंटर बानखाना की पार्षद फैमिली चला रही थी। पुलिस-प्रशासन के साथ विद्युत विभाग की टीम की मौजूदगी में बुलडोजर के जरिये अवैध ई-रिक्शा विद्युत चार्जिंग सेंटर ध्वस्त कर दिया गया था और आरोपियों पर करीब एक करोड़ से अधिक का जुर्माना लगाया था। अधिशासी अभियंता सत्येंद्र कुमार चौहान के मुताबिक, विद्युत चोरी के मामले में वूसली की सूची प्रशासन को सौंप दी गई है। जिसमें बिजली चोरी में पकड़े गए आरोपियों का विवरण और जुर्माने की राशि दर्ज है। विद्युत विभाग के मुताबिक वर्ष 2023 में बिजली चोरी के 407 मामले दर्ज किए गए थे। इस साल अभी तक 63 केस पकड़े गए हैं। बिजली चोरी का सबसे बड़ा जुर्माना जिन लोगों पर लगा है-उनमें दुर्गानगर काशीनाथ बरातघर के पास रहने वाले अरविंद कुमार सिंह हैं। अरविंद पर 14 लाख से अधिक का जुर्माना डाला गया है। इसी तरह हजियापुर के तनवीर पर भी करीब 14.46 लाख का जुर्माना लगा है।

#### जयंती पर याद किए गए स्वतंत्रा सेनानी पीसी आजाट

क्यूँ न लिखुँ सच / पं सत्यमशर्मा / सेनानी,महान शिक्षाविद एवं राजनीतिज्ञ पीसी आजाद की जयंती शुऋवार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जयंती

के मुख्य अतिथि अनिल कुमार सक्सेना एडवोकेट भाजपा के वरिष्ठ नेता ने श्रीपीसी आजाद इंटर कॉलेज परिसर में स्थापित



श्री आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रबंधक प्रभास चन्द्र आजाद , प्रधानाचार्य डॉक्टर राजेन्द्र कुमार सिहत तमाम स्टाफ ने भी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मुख्य अतिथि श्री सक्सेना ने आजाद साहब के समाज के लिए किये गये कार्यों पर प्रकाश डाला । उन्होंने अपने संबोधन में बताया श्री आजाद ने शिक्षा, राजनीति के क्षेत्र में अमूल्य योगदान रहा है। हमें आजाद साहब के बताए गये मार्ग पर चलकर शिक्षा के क्षेत्र में योगदान करना चाहिए। इस मौके पर जलज सक्सेना ,छदम्मी लाल, जयवीर तोमर नीरज गंगवार % गायत्री शर्मा % प्रमोद स्वरूप %हेमपाल गंगवार ,आरती पांडेय % सुरेशपाल शर्मा शालिनी सक्सेना भारती माला , प्रदीप कुमार गुप्ता,चौधरी पंकज कुमार सिंह,सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।अंत में विद्यालय प्रधानाचार्य डॉक्टर राजेन्द्र कुमार गंगवार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

#### मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के अन्तर्गत ग्राम पचदौरा डोरिया में किया जागरूकता आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के अन्तर्गत जिलाधिकारी अविनाश सिंह एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा के निर्देशानुसार हरविंदर कौर जेंडर स्पेशलिस्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन के द्वारा मिशन शक्ति के तहत घरेलू हिंसा/दहेज उन्मूलन थीम पर विकासखंड भोजीपुरा के ग्राम पचदौरा डोरिया में साकार संस्था के सहयोग से जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। उक्त चौपाल में महिला कल्याण विभाग से हरविंदर कौर द्वारा घरेलू हिंसा 2005 दहेज उन्मूलन विषय पर विस्तृत जानकारी दी गयी साथ ही शासन से संचालित विभागीय योजनाओं जैसे- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्पॉन्सरशिप योजना वन स्टाफ सेंटर के बारे में व टोल फी नंबर के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में ग्राम की महिलाएं, आंगनबाड़ी, किशोरी तथा महिला कल्याण विभाग से योजना संबंधी पैंपलेट भी वितरण किया गया।



# कांग्रेस-सपा की नीति...फूट डालो-हुकूमत करो, सीएम योगी सपा पर जमकर बरसे

सीएम योगी ने कहा कि 31 अक्टूबर को 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन पूरे प्रदेश में होगा। 1 नवंबर से 26 नवंबर तक हर विधानसभा क्षेत्र में 8 से 10 किलोमीटर लंबी 'एकता पदयात्रा' निकाली जाएगी।सरदार वक्षभभाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह अभियान को लेकर राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों

पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, की फूट डालो और राज करो नीति को और मजहब के आधार पर फूट डालने कमजोर हो।जब देश आजाद हो रहा साजिश रची थी। उनकी कोशिश थी सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी अद्भुत भारत गणराज्य में विलय कर राष्ट्रीय पूरब से पश्चिम तक जो भारत एकजुट उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के से हर साल 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय ने कहा, भाजपा और केंद्र व राज्य की सपने को साकार करने के लिए कार्यरत है, तब भाजपा की जिम्मेदारी है कि विधानसभा तक पहुंचाया जाए। हर मुख्यमंत्री ने बताया, 31 अक्टूबर को



कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन अंग्रेजों आज भी अपनाए हुए हैं। ये दल समाज में जाति, पंथ का काम कर रहे हैं तािक देश की एकता और अखंडता था, तब अंग्रेजों ने भारत को कई हिस्सों में बांटने की कि भारत कभी एक न हो सके। लेिकन लौह पुरुष दूरदृष्टि और दृढ़ इच्छाशिक्त से 563 रियासतों को एकता को मजबूत किया।आज उत्तर से दक्षिण और दिखता है, वह सरदार पटेल की देन है। इसिलए लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। सीएम योगी सरकारें सरदार पटेल के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के हैं। जब विपक्ष समाज को बांटने की राजनीति कर रहा एकता और अखंडता के संदेश को हर गांव और हर विधानसभा क्षेत्र में 'एकता पदयात्रा' निकाली जाएगी– 'रन फार यूनिटी' का आयोजन पूरे प्रदेश में होगा।

इसके बाद 1 नवंबर से 26 नवंबर तक हर विधानसभा क्षेत्र में 8 से 10 किलोमीटर लंबी 'एकता पदयात्रा' निकाली जाएगी। इसमें आमीं के रिटायर्ड जवान, अन्नदाता, श्रमिक, भाजपा के अनुशांगिक संगठन, एनएसएस, एनसीसी, स्काउट गाइड सभी को जोड़ा जाएगा। यात्रा के दौरान %भारत माता की जय%, %वंदे मातरम% और %नेता जी सुभाष चंद्र बोस अमर रहें% के जयघोष गूंजेंगे। हर दो किलोमीटर पर पड़ाव होगा, जहां समाज से संवाद कायम करते हुए एकता का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम सिर्फ औपचारिकता नहीं होना चाहिए, बिल्क हर कार्यकर्ता को इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। बूथ स्तर से लेकर जिला पदाधिकारी तक सभी को सिक्रय होना होगा। बाबा साहब को समर्पित संविधान दिवस और युवा पदयात्रा– सीएम योगी ने बताया, 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाएगा, जो बाबा साहब भीमराव आंबेडकर को कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर है। इस दिन प्रत्येक जिले से पांच युवाओं को दिल्ली भेजा जाएगा, जहां से वे गुजरात में होने वाली पदयात्रा में शामिल होंगे। यह यात्रा 26 नवंबर से 6 दिसंबर तक चलेगी, तािक युवा देशभर में सरदार पटेल और बाबा साहब दोनों के योगदान से प्रेरणा ले सकें। 'विकसित भारत' और 'स्वदेशी उत्पादों' पर जोर– सीएम योगी ने बताया, 1946–47 में जो अंग्रेज भारत की अखंडता को तोड़ना चाहते थे, आज वही भारत ब्रिटेन को पछाड़कर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनेगा, यह हर भारतीय का संकल्प होना चाहिए। नागरिकों से अपील की कि त्योहारों पर स्वदेशी उत्पाद खरीदें। इससे स्थानीय कारीगरों, महिला समूहों और आत्मिनर्भर भारत अभियान को बल मिलेगा। जब हम स्वदेशी खरीदते हैं, तो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं।

#### इंतजार खत्म, रेलवे रोड से बागपत रोड तक सिर्फ पांच मिनट का सफर, जानें कब से शुरू हो रही लिंक रोड

लिंक रोड का अवरोध खत्म हो गया। आशीर्वाद नर्सिंग होम मालिक के मालिक को शुक्रवार को चेक सौंपा गया और बाधा बन रहे निर्माण के ध्वस्तीकरण का काम शुरू हो गया। नवंबर से इस रोड के शुरु होने की उम्मीद है। खुशखबरी, दीपावली पर एमडीए ने लिंक

रोड का अवरोध खत्म आशीर्वाद निर्संग होम के अधिग्रहण की गई भूमि दिया है। दावा किया जा नवंबर से लोग लिंक रोड जाएंगे। एमडीए ने सड़क के बीच आ रहे शुरू कर दिए हैं। इस कार्य लिए राज्यसभा सदस्य वाजपेयी भी मौके पर को रेलवे रोड से जोड़ने रोड की मांग काफी



करने के लिए मालिक को का चेक सौंप रहा है कि एक से गुजरने शुरू हो बुलडोजर से निर्माण भी गिराने को शुरू कराने के डॉ. लक्ष्मीकांत पहुंचे।बागपत रोड के लिए लिंक

समय से चली आ

रही है। इसे लेकर जनआंदोलन सिमित एक बड़ा आंदोलन चला चुकी है। इसके बाद सेना ने लिंक रोड के लिए जमीन दी, वहीं सरकारी खजाने से लगभग 80 प्रतिशत मार्ग पर सड़क निर्माण का कार्य भी हो चुका है। बागपत रोड की तरफ लिंक मार्ग के लिए 14 मीटर जगह को लेकर रस्साकशी चल रही थी। आशीर्वाद निर्मंग होम की जमीन को लेकर प्रशासन ठोस निर्णय नहीं ले पा रहा था। जन आंदोलन सिमित ने दीपावली के बाद आंदोलन फिर शुरू करने की चेतावनी दी हुई थी। लिंक रोड के लिए प्लाट मालिक भोले शंकर पहले ही सहमित दे चुके थे, लेकिन अस्पताल मालिक से भूमि रेट को लेकर बात नहीं बनी थी। अब एमडीए ने शुक्रवार को डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी की मौजूदगी में आशीर्वाद हॉस्पिटल के मालिक डॉ. प्रदीप कुमार को भूमि मुआवजा राशि का चेक सौंप दिया। वहीं प्लाट की दीवार और निर्मंग होम का पक्का निर्माण गिराने के लिए बुलडोजर चलाना शुरू कर दिया। अब यह मार्ग 14 मीटर चौड़ा हो जाएगा। लिंक रोड पर लगेगा हाइट गेज लिंक रोड पर दोनों तरफ हाइट गेज लगाए जाएंगे। इससे केवल हल्के वाहन, रिक्शा, ई रिक्शा, थ्री व्हीलर ही गुजरेंगे। मार्ग से कोई बड़ा वाहन नहीं गुजरेगा। लिंक रोड से गुजरने के लिए सबसे बड़ा लाभ वेस्ट एंड रोड के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे और सिटी रेलवे स्टेशन और आसपास की कालोनियों में लोगों को मिलेगा।

#### ट्रेन में बम है': आरपीएफ ने की गाड़ी में तलाशी, फेक निकली कॉल; दो भाइयों ने सबक सिखाने के लिए किया था फोन

नंबर ट्रेस कर पुलिस ने शुक्रवार दोपहर राह, घाटमपुर निवासी सगे भाई दीपक सिंह और अंकित सिंह चौहान को दबोचा गया। इनके पास से दो मोबाइल मिले हैं जिनमें से एक से जीआरपी

कंट्रोल रूम दी गई थी। सिथ त के कंट्रोल शुक्रवार रात कटिहार जाने नंबर -



प्रयागराज जीआरपी रूम में चंडीगढ़ से वाली ट्रेन 15708 एक्सप्रेस में

को सूचना

आतंकियों के बम रखे जाने की सूचना दी गई। कानपुर जीआरपी प्रभारी निरीक्षक ओमनारायण सिंह ने बताया कि कानपुर सेंट्रल पर रात 12-20 बजे ट्रेन पहुंची। आरपीएफ, बम स्क्रॉयड, रेल बाजार पुलिस और रेलवे किमयों ने तीन हर कोच की तलाशी ली लेकिन कुछ नहीं मिला। जिस नंबर से कॉल आई थी, वह भी बंद था। इस पर जीआरपी ने केस दर्जकर जांच शुरू की। नंबर ट्रेस कर पुलिस ने शुक्रवार दोपहर राह, घाटमपुर निवासी सगे भाई दीपक सिंह और अंकित सिंह चौहान को दबोचा गया। इनके पास से दो मोबाइल मिले हैं जिनमें से एक से जीआरपी कंट्रोल रूम को सूचना दी गई थी। पूछताछ में दोनों ने बताया कि जनरल कोच में सीट पर बैठने को लेकर तीन युवकों से इटावा के पास विवाद हुआ था। उन्हें सबक सिखाने के लिए ही इटावा के पास से फर्जी सूचना दे दी थी। जीआरपी ने दोनों को जेल भेजा है।

# ट्रेन से कटकर अलग पड़े थे पैर... छात्रा को दर्द के बीच भी याद रहे पापा; मार्मिक तस्वीर देख कांप गया कलेजा

सिपाही भर्ती परीक्षा से लौट रही हाथरस की छात्रा के अलीगढ़ में ट्रेन से गिरकर दोनों पैर कट गए। बेटी को बचाने के लिए चलती ट्रेन से कूदे पिता को भी चोट आई है। छात्रा दादरी से आरपीएफ सिपाही

पद की परीक्षा देकर पिता के साथ लौट रही थी। उसे देख लेंगे तो कलेजा मुंह को आ जाएगा। ट्रेन से गिरकर के किनारे ही पैर अलग-अलग पड़े थे, लेकिन उसने मदद का इंतजार करती रही। बेटी के गिरते ही पिता ने बाद वह भी पहुंच गए। पिता भी लहूलुहान थे। फूलमाला थी। इतना ही नहीं जब दोनों को जेएन मेडिकल कॉलेज लहूलुहान हुई बेटी डॉक्टरों से बार-बार कह रही थी बहुत चोट लगी है।फूलमाला हाथरस जंक्शन थाना क्षेत्र रमेश चंद्र पेशे से किसान हैं। फूलमाला ने पिछले साल सुरक्षा बल (आरपीएफ) में सिपाही के लिए निकली कर ली थी। 15 अक्तूबर को दादरी में शारीरिक दक्षता गई थी। परीक्षा देने के बाद दादरी से पिता-पुत्री स्पेशल



जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।अगर तस्वीर 21 साल की फूलमाला के दोनों पैर कट गए। लाइनों हिम्मत नहीं हारी। वह रेलवे लाइन के किनारे बैठकर भी चलती ट्रेन से छलांग लगा दी थी लिहाजा कुछ देर अपना दर्द भूलकर बार-बार पिता का हाल पूछ रही ले जाया गया तो वहां भी अपने दोनों पैर खो चुकी कि पहले उसके पिता का इलाज कर दीजिए। उनको के गांव सिकंदरपुर की रहने वाली है। उसके पिता ही स्नातक किया है। उसने दो महीने पहले रेलवे भर्ती में आवेदन किया था। लिखित परीक्षा उसने पास परीक्षा थी लिहाजा वह अपने पिता रमेश चंद्र के साथ ट्रेन में सवार हो गए। अचानक उसका संतुलन बिगड़ा

और वह ट्रेन से गिर छात्रा पिता रमेश चंद्र ने बताया कि ट्रेन में फूलमाला की तबीयत खराब हो गई थी। उसे उल्टी होने लगी। ऐसे में गेट के पास बनी वॉश बेसिन पर खड़ी हो गई। अचानक उसका संतुलन बिगड़ा और वह ट्रेन से गिर गई। बेटी के गिरते ही पीछे से पिता ने भी ट्रेन से छलांग लगा दी। सामने पड़े कटे पैर देखकर भी नहीं हारी हिम्मत- गिरने से ट्रेन की चपेट में आकर फूलमाला के दोनों पैर कट गए। लेकिन सामने पड़े दोनों कटे पैर देखकर भी उसने हिम्मत नहीं हारी। वह किसी तरह वहां से हाथों का सहारा लेकर ट्रैक के किनारे पटरी पर बैठ गई। कुछ ही देर में उसके पिता रमेश चंद्र भी यहां आ गए। क्योंकि वह तेज रफ्तार ट्रेन से कूदे थे लिहाजा वह भी लहूलुहान थे। किसी तरह बेटी के पास तक पहुंचे। जेएन मिडकल कॉलेज के चिकित्सकों का कहना है कि एक पैर तो पूरी तरह कटकर अलग हो गया है, जबिक दूसरा भी बुरी तरह जख्मी है। घायल पिता को देख भूल गई अपना दर्द घटनास्थल पर पहुंचे आरपीएफ के एएसआई नरेंद्र सिंह ने बताया कि पिता को घायल देख फूलमाला अपना दर्द भूल गई थी। वह बार बार कह रही कि उसके पिता को बहुत चोट लगी है। खून बह रहा है। उन्हें जल्दी से अस्पताल पहुंचाओ। जबिक बेटी के कटे पैर देख नरेंद्र बिलख रहे थे। फूलमाला उन्हें हिम्मत बंधा रही थी। बाद में यहां स्पेशल ट्रेन रुकवाकर दोनों को अलीगढ़ स्टेशन पर लाया गया। यहां से दोनों को जेएन मेडिकल कालेज भेजा गया। वहां भी फूलमाला बार बार चिकित्सकों से कह रही थी कि पहले उनके पिता का इलाज कर दीजिए। फूलमाला का मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में इलाज चल रहा है।

#### संक्षिप्त समाचार

#### बहराइच में बुजुर्ग की दिनदहाड़ेगला काटकर हत्या

क्यूँ न लिखूँ सच / पुरानी रंजिश में अगनूपुरवा बाईपास पर हुई वारदात, दो नकाबपोश हमलावरो ने दिया घटना को अन्जाम

नानपारा में शुक्रवार को । दिनदहाड़े बुजुर्ग की । गला काटकर हत्या कर दी गई यह घटना । फुलविरया पेट्रोल टंकी पंप के पास हुई जब बुजुर्ग जुम्मे की नमाज पढ़कर लौट रहे थे दो नकाबपोश हमलावर वारदात को अंजाम देकर हो गए फरार मृतक की पहचान फुलविरया मेहरबान नगर



निवासी सहबुल अली को 55 वर्ष के रूप में हुई है उनके बेटे मोनू ने बताया के उनके पिता लक्ष्मना वाली मस्जिद से नमाज पढ़कर लौट रहे थे दोपहर करीब 2~30 कई लोगों के सामने हमलावरों ने उनकी हत्या कर दी मौके पर मौजूद लोगों से जानकारी के अनुसार अभी मृतक सबूल अली 20 साल पहले हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा काटकर 2 साल पहले ही जेल से छूटे थे वह एक छोटी सी किराना की दुकान चला कर अपना जीवन यापन कर रहे थे उनके दो बेटे सोनू और मोनू है पुलिस पुरानी रंजिश को हत्या का कारण मान रही है घटना की सूचना मिलती है सीओ प्रद्युमन सिंह प्रभारी निरीक्षक राजनाथ सिंह पुलिस बलके साथ मौके पर पहुंचे घटनास्थल पर देखते–देखते सैकड़ो पर भीड़ पहुंच गई भीड़ को देखते हुए मटेरा थाना प्रभारी नवाबगंज थाना प्रभारी नानपारा थाना प्रभारी मौके पर मौजूद रहे संवाददाता अमरीक सिंह

#### जुमे की नमाज पढ़कर लौट रहे युवक की हत्या, एक हमलावर ने मारी कुल्हाड़ी; दूसरे ने चाकू से किए ताबड़तोड़ वार

बहराइच में नमाज पढ़कर लौट रहे युवक की बीच सड़क हत्या कर दी गई। एक हमलावर ने उसके सिर पर कुल्हाड़ी मारी तो वहीं दूसरे ने चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यूपी के बहराइच में शुक्रवार को दो नकाबपोश हमलावरों ने दिनदहाड़े एक युवक की निर्ममता से हत्या कर दी। इसके बाद फरार हो गए। वह रेलवे स्टेशन रोड स्थित कब्रिस्तान की मस्जिद से नमाज पढ़कर घर लौट रहा था। हत्या का कारण पुरानी रंजिश बताई जा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। आरोपियों की तलाश की जा रही है।घटना नानपारा थाना क्षेत्र के हाईवे तिराहे पर करीब 3 बजे की है। ग्राम पंचायत मेहरबान नगर के मजरा फुलवरिया निवासी शाह मोहम्मद के पुत्र सहबूल अली (55) की हत्या



की गई है। बताया गया कि सहबूल नमाज पढकर साइकिल से घर लौट रहा था। पुरानी रंजिश में वारदात को अंजाम देने की आशंका... बाइक से आए दो नकाबपोश हमलावरों ने कुल्हाड़ी और चाकू से हमला किया। एक ने उसके सिर पर कुल्हाड़ी मारी। दूसरे ने चाकू से उसकी गर्दन और पेट पर ताबड़तोड़ वार किए। इससे मौके पर उसने दम तोड़ दिया। पुरानी रंजिश में वारदात को अंजाम देना बताया जा रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके घटना की जानकारी ली। बताया गया कि सहबूल एक हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काटने के बाद 2 वर्ष पहले छूटा था। इसके बाद से वह हाय पेपर पेट्रोल टंकी के निकट मकान बनाकर रह रहा था। मकान के अगले हिस्से में वह चिकन और बिरयानी की दुकान भी चलाता था। अपर पुलिस अधीक्षक डीपी तिवारी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। घर से 50 मीटर की दूरी पर हुई घटना प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घर से महज 50 मीटर की दूरी पर सहबूल की हत्या की गई। वह नमाज पढ़कर लौट रहा था, तभी पहले से घात लगाए हमलावरों ने उस पर हमला कर दिया। हमलावर बाइक से आए थे। वारदात को अंजाम को देकर आरोपी फरार हो गए। पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही है।

#### फसल अवशेष जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध, उल्लंघन पर देना होगा पर्यावरणीय मुआवजा

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी। ब्यूरो/ खरीफ फसलों की कटाई के बाद खेतों में पराली या नरवाई जलाने की प्रवृत्ति को रोकने तथा पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने सख्त

कदम उठाए हैं। जिला मजिस्ट्रेट श्री चौधरी ने भारतीय संहिता, 2023 की तहत आदेश जारी सभी राजस्व फसल अवशेष तत्काल प्रभाव से लगाया चौधरी ने कृषकों से



कलेक्टर एवं रवीन्द्र कुमार नागरिक सुरक्षा धारा 163 के कर जिले की सीमाओं में जलाने पूर्ण प्रतिबंध कलेक्टर श्री

कि वे अपने खेतों में पराली न जलाएं और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ भूमि की उर्वरता बनाए रखने हेतु फसल अवशेषों का वैज्ञानिक प्रबंधन अपनाएं। फसल अवशेष जलाना पर्यावरण और भूमि दोनों के लिए हानिकारक खरीफ फसलों - धान, मक्का, सोयाबीन, अरहर आदि - की कटाई के बाद किसान जब खेतों में बचे अवशेषों को जलाते हैं, तो इससे न केवल मिट्टी की उर्वरता घटती है, बल्कि वायु प्रदूषण भी गंभीर रूप ले लेता है। धुएं से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और कई बार आगजनी की घटनाएं भी हो जाती हैं। आधुनिक यंत्रों से करें अवशेषों का प्रबंधन उप संचालक कृषि ने किसानों को सलाह दी है कि फसल अवशेषों का प्रबंधन स्ट्रारीपर सुपर सीडर, हैप्पी सीडर, स्मार्ट सीडर, रोटावेटर, बेलर जैसे आधुनिक कृषि यंत्रों से करें। इससे न केवल मिट्टी की गुणवत्ता सुधरती है, बल्कि खेती की लागत और समय दोनों की बचत होती है। उल्लंघन पर देना होगा पर्यावरणीय मुआवजा कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि फसल अवशेष जलाने की स्थिति में पर्यावरणीय मुआवजा (Environmental Compensation) देना होगा - 2 एकड़ से कम भूमि वाले कृषक 2,500 प्रति घटना 2 से 5 एकड़ भूमि वाले कृषक, 5,000 प्रति घटना, 5 एकड़ से अधिक भूमि वाले कृषकः 15,000 प्रति घटना जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे स्वच्छ वातावरण और उर्वर भूमि के लिए पराली जलाने से बचें और आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें।

#### कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिहारपुर में साइकिल वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन

बिहारपुर। शासन की छात्रा हितैषी योजना के तहत कन्या उच्चतर माध्यमिक

विद्यालय बिहारपुर साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। कार्यक्रम अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य श्री अरूण क्मार राठौर ने की इस अवसर मुख्य अतिथि के



रूप में बिहारपुर मंडल अध्यक्ष श्री जगप्रसाद सिंह उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता, बी. पी. जायसवाल (एस.एम.डी.सी अध्यक्ष एवं महामंत्री बिहारपुर), शिवधन गुप्ता उपेंद्र कुमार गुप्ता, देवेंद्र कुमार गुप्ता, मंदेश गुप्ता, रामाधीन तिवारी, पुनीत साहू, विजय राठौर, अंसारी प्रेरक देशमुख, दुर्गावती सिंह, माया गुप्ता सिंहत अनेक गणमान्य नागरिक एवं अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को शासन की मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना अंतर्गत नि:शुल्क साइकिलें वितरित की गईं। साइकिल पाकर छात्राओं के चेहरों पर खुशी झलक उठी। अतिथियों ने छात्राओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और शिक्षा के प्रति समर्पण के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि जगप्रसाद सिंह ने कहा कि शासन की यह योजना बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। साइकिल से न केवल बालिकाओं की विद्यालय पहुंच आसान होगी बल्कि ग्रामीण अंचल की बच्चियों में शिक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। प्राचार्य अरूण कुमार राठौर ने बताया कि विद्यालय परिवार लगातार प्रयासरत है कि क्षेत्र की प्रत्येक बालिका शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ सके। उन्होंने शासन एवं शिक्षा विभाग के प्रति आभार जताते हुए कहा कि इस योजना से छात्राओं में शिक्षा के प्रति रुचि और आत्मविश्वास बढ़ा है। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय शिक्षक पुनीत साहू ने किया तथा अंत में आभार प्रदर्शन एस.एम.डी.सी अध्यक्ष बी. पी. जायसवाल ने किया।कार्यक्रम में सैकड़ों छात्राएं, अभिभावक व ग्रामीण जन बड़ी

www.knlslive.com

अपराधियों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे ऋम में अपर



अधीक्षक नगर जनपद बहराइच व क्षेत्राधिकारी पयागपुर जनपद बहराइच के कुशल नेतृत्व व प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार अवस्थी थाना रानीपुर जनपद बहराइच के द्वारा थाना स्थानीय के गठित पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्ता 1.ननकई पत्नी स्व0 जहीर निवासी ग्राम विशुनापुर दा0 सरखना थाना रानीपुर बहराइच उम्र लगभग 49 वर्ष को दबिश देकर अभियुक्ता उपरोक्त को थाना स्थानीय की पुलिस टीम द्वारा घर से गिरफ्तार किया गया , गिरफ्तार शुदा अभियुक्ता को नियमानुसार विधिक कार्यवाही पूर्ण कर माननीय न्यायालय बहराइच के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु पुलिस अभिरक्षा में रवाना किया गया

#### एसडीएम को पत्र देकर कार्यवाही की गुहार लगाई

क्यूँ न लिखुँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) आज एसडीएम ज्योति सिंह को एक शिकायती पत्र देते हुए राम किशोर पुरोहित पुत्र राम रूप पुरोहित निवासी ग्राम जरा पोस्ट कनासी ब्लॉक नदीगांव ने बताया है कि प्रार्थी की जमीन ग्राम जरा में एससी आबादी से लगी हुई है जिसकी जुताई करने लिए मेरे पुत्र रोहिताश पुरोहित खेत पर आज दिनांक 16 अक्टूबर को दिन में साढ़े बारह बजे गांव गया हुआ था तभी गांव के संतोष जाटव पुत्र गोटीराम खेत पर आये और अकारण ही मां बहिन की भद्दी भद्दी गालियां देकर कहने लगे कि चार पांच लट्ट छोड़कर ही जमीन की जुताई करना तो प्राथी के पुत्र ने कहा कि हम अपने खेत की जुताई नहीं कर सकते तो वह बोला कि अपने बाप को बुलाओ तो प्राथी के पुत्र ने कहा कि हम तो है हमें बताओ तो भी बोला कि तुमने जो चना बोये है उनको भी नहीं रहने देंगे और जो फसल तुम वोयोगे इसको बखर कर बर्बाद कर देंगे अगर ज्यादा शिकायत की तो तुम्हें ओर तुम्हारे परिवार परिवार को हरिजन बनाम सवर्ण के केस में झुठा फसवा देंगे अगर कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो यह जिम्मेदार माना जावेगा उन्होंने एसडीएम से कार्यवाही की गुहार लगाई है

#### गराब बच्चा दापावला का पव मनाया

क्युँ न लिखुँ सच / पवन कुमार/ कोंच (जालौन) दीपावली का पर्व जहां अमीरी-गरीबी के भेद मिटाकर खुशियाँ बाँटने का प्रतीक है, वहीं कोंच नगर के तिलक नगर स्थित स्वामी विवेकानंद वर्साटाइल स्कूल के बच्चों ने इस त्योहार को एक अनोखे और प्रेरणादायक तरीके से मनाया। विद्यालय के छात्र छात्राओं ने अपने शिक्षकों और प्रबंधक के साथ इंडस्ट्रियल एरिया स्थित झुग्गी बस्तियों में जाकर वहाँ रहने वाले गरीब और वंचित बच्चों के साथ दीपावली का उत्सव मनाया।इस अवसर पर बच्चों ने गरीब परिवारों के बीच पटाखे, फुलझड़ियाँ दीये और मिठाइयाँ वितरित कीं। साथ ही विद्यालय प्रबंधन की ओर से गरीब बच्चों को कॉपी, पेंसिल रबर शार्पनर और अन्य स्टेशनरी सामग्री उपहार स्वरूप दी गई ताकि उनमें शिक्षा के प्रति रुचि जागृत हो सके विद्यालय के प्रबंधक जीतू पाटकर ने कहा कि दीपावली का असली आनंद तभी है जब हम दूसरों के चेहरे पर मुस्कान ला सकें। हमारा उद्देश्य समाज के हर वर्ग को इस खुशी में शामिल करना है गरीब बच्चों ने उपहार पाकर ख़ुशी जाहिर की और विद्यालय परिवार व छात्रों का दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज पहली बार हमें भी दीपावली के असली आनंद मिला विद्यालय प्रबंधन ने आगे भी ऐसे सामाजिक कार्यों को जारी रखने का संकल्प लिया। इस पहल ने न केवल गरीब बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरी बल्कि मान वता और आपसी प्रेम का सुंदर संदेश भी दिया।

# बिहारपुर क्षेत्र में हाथियों का आतंक - दो दलों में 16 जंगली हाथी सिक्रय, ग्रामीणों में भय और नाराज्गी बढ़ी

#### वन विभाग कर रहा प्रयास, पर गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान प्रशासन की चुप्पी से क्षेत्र में असंतोष

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर (बिहारपुर से संवाददाता)। सूरजपुर जिले के चांदनी-बिहारपुर वन क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले तीन महीनों से एक हाथी लगातार इस क्षेत्र में डेरा जमाए हुए है, वहीं अब प्रतापपुर क्षेत्र से आए 15 हाथियों का झुंड बिहारपुर की सीमाओं में प्रवेश कर गया है। इन दोनों दलों की मौजूदगी से खैरा, कछिया, परसा, जूडविनया, मोहरसोप,

घुही, खोड़, केसर, चांदनी सहित एक दर्जन बना हुआ है। ग्रामीणों के मुताबिक, ये हाथी में लगी धान, कोदो, कुटकी, रागी, अरहर कई किसानों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं, क्योंकि हाथियों विभाग सिक्रय, लेकिन राष्ट्रीय उद्यान के आता है – वन विभाग (बिहारपुर परिक्षेत्र) मोहरसोप क्षेत्र)। वन विभाग के कर्मचारी की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं और कर चुके हैं। रेंजर मेवालाल पटेल ने बताया



कि 15 हाथियों के दल में तीन से चार छोटे बच्चे भी सलाह दी जा रही है। लेकिन दूसरी ओर, गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारी और कर्मचारी पूरी तरह निष्क्रिय दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि न तो वे गांवों में आते हैं, न ही किसी प्रकार की जागरूकता अभियान या हाथियों को भगाने का प्रयास किया जाता है। कई बार तो अधिकारी अपने कार्यालयों से भी नदारद रहते हैं। इस लापरवाही के कारण ग्रामीणों में गुस्सा और असंतोष बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि उद्यान प्रबंधन समय रहते सिऋय नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में यह समस्या और भयावह हो सकती है। हाथियों का झुंड धीरे–धीरे आबादी की ओर बढ़ रहा है, जिससे मानव–हाथी संघर्ष का खतरा मंडराने लगा है। घने जंगलों में दिनभर रहते हैं हाथी, रात ढलते ही पहुंच जाते हैं गांवों में गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के घने जंगलों में दिन के समय ये हाथी रहते हैं। जैसे ही शाम ढलती है, झुंड खेतों और गांवों की ओर निकल पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार, हाथी धान की पकी फसल और कोदो-कुटकी जैसी अनाज वाली फसलों की ओर आकर्षित होते हैं। पिछले कुछ दिनों में हाथियों ने दर्जनों किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाया है, जिससे किसानों की सालभर की मेहनत पर पानी फिर गया है। ग्रामीणों ने बताया कि कभी-कभी हाथी घरों

के करीब तक आ जाते हैं। कई परिवार अब रात को जंगल किनारे वाले घरों को खाली कर चुके हैं। बच्चे और बुजुर्गों में भय का माहौल है। प्रशासनिक उदासीनता पर सवाल- स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए और दोनों विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्यवाही की जाए। लोगों का कहना है कि केवल कागजी कार्यवाही और औपचारिक सर्वे से समस्या हल नहीं होगी – ज़रूरत है जमीनी स्तर पर गश्त, सायरन व्यवस्था, निगरानी दल और ड्रोन सर्वे की। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि वन विभाग अपनी क्षमता के अनुसार काम कर रहा है, परन्तु राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारियों की अनुपस्थिति और निष्क्रियता ने समस्या को और बढ़ा दिया है। ग्रामीण बोले – डर में जी रहे हैं, अब भरोसा प्रशासन पर ही गांवों में लगातार यह चर्चा है कि अगर हाथियों के झुंड को नहीं रोका गया, तो आने वाले दिनों में यह खेतों से निकलकर आबादी में भी घुस सकते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि वे अपनी सुरक्षा के लिए रातें जागकर बिता रहे हैं, मगर डर के साये में जीवन असहनीय हो गया है। फिलहाल, बिहारपुर क्षेत्र में दो दलों में कुल 16 जंगली हाथी सिक्रय हैं – एक तीन महीने से मौजूद अकेला हाथी और दूसरा नया आया 15 हाथियों का दल। पूरे इलाके में वन विभाग की टीमें मुस्तैद हैं, लेकिन ग्रामीणों को अब गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान प्रशासन से भी सिऋय सहयोग की

#### सदाकत को मिली जमानत, कोर्ट ने कहा-केवल आपराधिक इतिहास के आधार पर जमानत से इन्कार नहीं कर सकते

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि यदि जमानत का आधार बनता है तो केवल आपराधिक इतिहास के आधार पर इन्कार नहीं किया जा सकता है। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ ने सदाकत खान की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली इलाहाबाद हाईकोर्ट सकता है। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ ने रूप से मिलकर आपराधिक षड्यंत्र रचने के आरोप में थाना बिथरी



ने कहा कि यदि जमानत का आधार बनता है तो केवल आपराधिक इतिहास के आधार पर इन्कार नहीं किया जा सदाकत खान की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। सदाकत पर बरेली जेल में अतीक के भाई अशरफ से अवैध चैनपुर में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल

की।अधिवक्ता ने दलील दी कि सदाकत का नाम एफआईआर में नहीं था। उसे बाद में एक सह–अभियुक्त लाला गद्दी के बयान के आधार पर आरोपी बनाया गया। आवेदक पर अशरफ से अवैध रूप से बरेली जेल में मिलने के अलावा कोई अन्य आरोप नहीं है। सदाकत 29 नवंबर 2024 से जेल में है। शासकीय अधिवक्ता ने जमानत का विरोध किया। कहा, सदाकत अशरफ का सहयोगी था और उसके आजम खां की फिर बिगड़ी तबीयत, रात को ही दिल्ली से उपचार कराकर लौटे थे, बेटे अब्दुल्ला ने दी जानकारी

वरिष्ठ नेता आजम खां की तबीयत शुक्रवार सुबह फिर बिगड़ गई। वह तीन दिन पहले इलाज के लिए दिल्ली गए थे और देर रात रामपुर लौटे थे। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती किया है।समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खां की तबीयत फिर बिगड़ गई। तीन दिन पहले वह इलाज के लिए दिल्ली गए थे और बृहस्पतिवार रात रामपुर लौटे थे। शुऋवार सुबह उनकी तबीयत दोबारा खराब हो गई। इसके चलते डॉक्टरों की टीम ने उनका घर पर ही प्राथमिक उपचार किया सीतापुर जेल से रिहाई के बाद उनका दिल्ली में इलाज चल रहा है। बीती रात रामपुर लौटने के बाद से वह लगातार थकान और कमजोरी महसूस कर रहे थे। शुऋवार को तबीयत बिगड़ने पर परिवार ने डॉक्टरों से संपर्क किया। डॉक्टरों ने आराम करने और दोबारा जांच कराने की सलाह दी है।रिहाई के बाद से ही आजम ने अपनी सेहत पर ध्यान केंद्रित किया है। वह बीते कुछ महीनों में कई बार दिल्ली के अस्पताल जा चुके हैं। बेटे अब्दुल्ला आजम ने सोशल मीडिया पोस्ट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा है कि पिता की तबीयत खराब होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यतीमखाना मामले में दो गवाहों के वारंट जारी- सपा नेता आजम खां के खिलाफ दर्ज यतीमखाना बस्ती को कब्जाने के मामले में कोर्ट में दो गवाहों के पेश न हो पाने की वजह से नहीं हो सकी। कोर्ट ने इस मामले में दोनों गवाहों को वारंट जारी कर दिए हैं। अब इस मामले की सुनवाई 29 अक्तूबर को होगी। शहर कोतवाली में यतीमखाना बस्ती को हटाने के नाम पर मारपीट, चोरी व डकैती जैसी संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज है। वर्ष 2019 में दर्ज इन सभी मामलों की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट में हो रही है। बुधवार को भी इस मामले की सुनवाई हुई। मंगलवार को इस मामले में बचाव पक्ष की ओर से सफाई साक्ष्य के तौर पर दो गवाहों को कोर्ट में पेश होना था। दोनों गवाह इंतजार अहमद व करीम अहमद कोर्ट नहीं पहुंचे,जिस पर इस मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। कोर्ट ने इस मामले में दोनों के खिलाफ जमानती वारंट जारी किए हैं। अब इस मामले की सुनवाई 29 अक्तूबर को होगी। वहीं

खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं जो अशरफ से मुलाकात की पृष्टि करते हैं। ऐसे में आपराधिक इतिहास को देखते हुए जमानत न दी जाए।

से अधिक गांवों में भय और अफरातफरी का माहौल

रात के समय गांवों के पास पहुंच जाते हैं और खेतों

जैसी फसलों को रौंदकर भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं।

चुकी हैं। किसान अब रात में खेतों में पहरा देने की

के झुंड अक्सर अचानक हमला कर देते हैं। वन

अधिकारी नदारद इस क्षेत्र में दो विभागों का वन क्षेत्र

और गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान (रिहंद महुली-

लगातार ग्रामीणों को जागरूक कर रहे हैं, हाथियों

फसलों की क्षति का सर्वे कर मुआवजा प्रक्रिया प्रारंभ

#### महिलाओं पर हो रहे अपराध के प्रति उन्हें जागरूक किया गया

क्यूँ न लिखुँ सच / मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत थाना मटेरा के अंतर्गत ग्राम भौखारा स्थित सरस्वती ज्ञान मंदिर विद्यालय तथा

मटेरा बाजार ग्राम भौखारा उच्चाधिकारी द्वारा दिए गये प्रदेश सरकार द्वारा संचालित बालिकाओं से महिलाओं पर हो रहे अपराध महिला संबंधी घटित अपराध 1090 ,1098 ,1076 ,112



थाना मटेरा जनपद बहराइच आदेशो निर्देशों के ऋम मे तथा उत्तर जन कल्याणकरी योजना के बारे मे व समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए के प्रति उन्हें जागरूक किया गया... की शिकायत के लिए टोल फी नंबर ,181, 108.... Etc व साइबर संबंधित टोल फी नंबर 1930 की जानकारी दी

गई तथा सरकारी योजनाएं \*जैसे कन्या सुमंगला योजना, पूर्व दशम छात्रवृत्ति योजना,मातृ वंदना योजना,वृद्धा पेंशन योजना,आयुष्मान प्रधानमंत्री, उज्जवला योजना ...... Etc\* व बालिकाओं से उनकी समस्याओं के बारे में पूछताछ करते हुए जानकारी दी गयी। एंटी रोमियो टीम उ०नि० श्री विशाल जायसवाल उपनिरीक्षक श्री मोइनुद्दीन खान हे०कां० जनार्दन वर्मा म०आ० निधि पासवान

# Make market-like Motichoor Laddus at home, follow this easy method.

Making market-like Motichoor Laddus at home isn't difficult. All you need is the right method and a little patience. Let's learn the easy recipe for Motichoor Laddus. Dhanteras is the first

day of the Diwali festival. Dhanteras also Lakshmi, Lord Dhanvantari, and Lord worship of Ganesh and Lakshmi on Diwali. it's better to prepare the offerings at home from the market. Since this festival is about Laddus at home on Dhanteras will enhance Motichoor Laddus are considered Lord Ganesha from Dhanteras to Diwali. joy. Making market-style laddus at home little patience. Let's learn the easy recipe for **Gram flour - 2 cups Ghee - for frying Water** coloring - 1 pinch Cardamom powder - 1/2 pistachios Silver foil for garnishing - as Prepare the gram flour batter. For this, take water to make a thin batter. Be careful not Step 2: To make the boondi, heat ghee in a in small portions and fry the boondi. Keep should just be slightly soft. Step 3 After this, cup of water in a pan and cook till it becomes



holds religious significance. On Dhanteras, Goddess Kubera are worshipped. This is followed by the Pure offerings are essential for all worships. However, using a simple method than to buy adulterated sweets happiness, light, and sweetness, making Motichoor the joy of the festival. Make the laddus because auspicious in the worship of Goddess Lakshmi and This sweet symbolizes prosperity, good fortune, and isn't difficult. All you need is the right method and a **Motichoor Laddu. Ingredients for Motichoor Laddu:** - as needed Sugar - 1 cup Saffron or orange food teaspoon Chopped dry fruits like almonds and desired How to Make Motichoor Laddu Step 1: the gram flour in a large vessel and gradually add to form lumps. Add the food coloring and mix well. pan. Using a slotted spoon, pour the gram flour batter in mind that the boondi should not be too crispy, it prepare the syrup, for which add sugar and half a one string syrup. Add saffron and cardamom powder

in it. Step 4 Now add boondi in the hot syrup and mix it well so that every grain becomes sweet. Cover it and keep it for five to seven minutes so that the boondi absorbs the syrup. Step 5 When the mixture cools down a bit, then give it the shape of laddu with your palms. Put chopped dry fruits and silver work on top. Step 6- Keep the laddus in the open for about one or two hours so that they set well. Now the Dhanteras special Motichoor laddus are ready.

# Easy and beautiful ways to decorate your home with old items that will bring a new look and auspiciousness

This Diwali, decorate your home with old items without spending a fortune. Learn about easy DIY and eco-friendly decoration ideas that will give your home a fresh, traditional, and

attractive look. With Diwali shine like new. But it's not every time. With a little creativity, home a new look with old items. but also a symbol of newness and items, you can bring new energy fortune. Let's explore some great give your home a festive look and vou haven't thrown away last them and decorate them with Light these lamps in every corner classic look. Turn old glasses, old glass bottles or paint the it and glue lace, beads, or glitter expensive than any other your walls - Use an old silk sari or runner. Add some cushion covers festive. Turn old photo frames into small paintings of gods and on the walls or entrance for a



approaching, everyone wants their home to necessary to spend money on new decorations hard work, and wisdom, you can give your Diwali decorations are not just about beauty, positive energy. By giving a new look to old to your home this Diwali, without spending a and affordable Diwali decoration ideas that will positive energy. Give old lamps a new look - If year's earthen lamps or have old ones, clean paint, mirror work, glitter, or colorful beads. of the house. They will create a vintage and bottles, or jars into lamps - Add fairy lights to outside. If you have a glass jar, place a lamp in paper on it. These DIY lamps will look no less expensive decor. Add old saris or dupattas to bandhani dupatta as a wall hanging or table and curtains. The atmosphere will instantly feel art pieces - Add rangoli designs, wall art, or goddesses to broken or old frames. Place them rustic and aesthetic look. Decorate with natural

flowers and leaves - Instead of buying expensive artificial flowers from the market, make garlands of marigold, Ashoka, or basil leaves. Place them on doors and windows. This will make your home smell fresh and look fresh. Turn an old thali into a puja plate or centerpiece - Decorate an old steel or brass thali with colorful stones, shells, pearls, and candles. Place it on the center table or puja area. It's simple, inexpensive, and very attractive.

# Wearing earphones for long periods of time can increase the risk of hearing loss. Learn how long it's safe to use them during the day.

Many people today are using earphones, but few realize that prolonged use is harmful to their ears. Some people also wonder which earphones or headphones are best for their ears. Let's

find the answers to these questions. essential part of our daily routine. participating in online meetings for a necessity. However, experts warn threat to your hearing. This problem sound waves directly close to the damaged, these cells fail to repair, persistent ringing sound in the ears). young people are becoming how long and at what volume you ears. Safe listening limits and the 60/ This means that you should not use and for no more than 60 minutes ears a break of at least 5-10 minutes. a day increases the risk of ear-related periods of time is harmful to the ears. called the cochlea, which contains into nerve signals and transmit them these cells are permanently damaged Early Signs of Hearing Loss It's



In today's modern world, earphones have become an Whether listening to music, watching podcasts, or hours, using earphones is no longer just a convenience, but that prolonged and loud use of earphones poses a serious is called noise-induced hearing loss (NIHL). Earphones send eardrum, damaging the sensitive cells inside the ear. Once and this can lead to permanent deafness or tinnitus (a This risk is no longer limited to a particular age group; even vulnerable. Therefore, it is extremely important to know should use earphones throughout the day to protect your 60 rule: Health experts recommend following the 60/60 rule. earphones above 60% of your device's maximum volume, continuously. After 60 minutes, it is important to give your Experts suggest that using earphones for more than 2 hours diseases. Listening to sounds above 85 decibels for long How are ears damaged? Our inner ear contains a structure tiny, hair-like, sensitive cells. These cells convert sound waves to the brain. When earphones continuously play loud noise, by excessive vibrations, leading to gradual hearing loss. important to recognize the early signs of earphone-related

hearing loss. The most common is tinnitus, a persistent ringing or buzzing sound in the ears. Other symptoms include difficulty hearing normal conversations or asking people to repeat themselves. Take these signs seriously immediately. Adopt these habits for protection: To stay safe, use over-the-ear headphones instead of earphones, which maintain a shorter distance from the eardrum. Over-the-ear headphones mean that the headphones are placed over the ear and cover your entire ear with a large, round pad. Use noise-canceling headphones so you don't have to turn up the volume to drown out external noise.

www.knlslive.com

# "Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari"'s luster fades before Diwali, with this much collection on the 16th day.

The film "Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari" completed 16 days of release today, Friday. Find out how the film performed. "Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari" hit theaters on October 2nd.

Although made on a low budget, the box a fortnight, it hasn't recovered its cost. Sanskari..." opened with a first-day was ?41.1 crore. In the second week, crore. Yesterday, Thursday, the film writing this Friday, according to million. How far is Sunny Sanskari from reached ?55.62 crore. Starring Janhvi at a cost of approximately ?60 crore. This Tomorrow marks the beginning of Diwali film can recover its cost during the festive 'Sunny Sanskari' only has until Monday Khurrana and Rashmika Mandanna's horror comedy 'Thama' will release on competition from Rishabh Shetty's film on October 2nd. The 2022 prequel audiences worldwide. It overshadows the



office performance is such that even after crossing Find out how it fared today, Friday. "Sunny collection of ?9.25 crore. The first week's collection collections dropped significantly, totaling just ?14 grossed ?1 crore. Meanwhile, as of the time of SACNILC data, the film has earned only ?5.2 its budget? The film's total net collection has Kapoor and Varun Dhawan, the film was made means the film is still well short of its budget. with Dhanteras. It will be interesting to see if the weekend. 'Thama' will spoil the Diwali game! to show its strength. After this, Ayushmann film 'Thama' will hit theaters. Maddock Films' October 21st. 'Sunny Sanskari...' faces stiff 'Kantara Chapter 1', which released alongside it "Kantara" is receiving widespread love from magic of "Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari."

Furthermore, the film's story didn't resonate with audiences. In addition to Janhvi and Varun, the film also stars Rohit Saraf, Sanya Malhotra, Manish Paul, and Akshay Oberoi in pivotal

# Stars attended Pankaj Dheer's prayer meeting, with celebrities from Mukesh Khanna to Shilpa Shetty paying tribute.

Actor Pankaj Dheer, who became a household name after playing Karna in "Mahabharata," passed away on October 15th. He had been battling cancer. A prayer meeting was held for him

on Friday, attended by many He passed away on October 15th due on Friday, and Mukesh Khanna Pankaj Dheer played the role of Mukesh Khanna played the role of Karanvir Bohra attended. Mukesh meeting, where he was seen folding his to Mukesh Khanna, actor Karanvir Dheer. Rajat Bedi was also seen. Late the prayer meeting. Actor Rajat Bedi attended. Actress Urvashi Dholakia meeting. Celebrities also attended Shilpa Shetty, Poonam Dhillon, Esha Dheer had worked in many popular Jackie Shroff, and Johnny Lever also Pankaj Dheer's prayer meeting. Dheer was 68 years old. Pankaj Dheer cancer some time ago, but his cancer some time due to this. He has "Sanam Bewafa" and "Baadshah,"



celebrities. Actor Pankaj Dheer is no more. to cancer. A prayer meeting was held for him attended to pay tribute to the late actor. Karna in B.R. Chopra's "Mahabharata." Bhishma Pitamah. Mukesh Khanna and Khanna attended Pankaj Dheer's prayer hands in front of the paparazzi. In addition Bohra also came to pay tribute to Pankaj Pankaj Dheer's son Nikitin Dheer attended was also seen. Urvashi Dholakia also was also seen at Pankaj Dheer's prayer Pankaj Dheer's prayer meeting: Actresses Deol, and Sonu Sood were also seen. Pankaj films and TV serials. Actors Mohit Raina. came to pay tribute to the late actor at Pankaj Dheer worked in these films. Pankaj passed away due to cancer. He had defeated returned after some time. He had been ill for appeared in numerous films, including television shows such "Chandrakanta" and "Sasural Simar Ka." Dheer also worked as a director, directing the film "My Father Godfather." He also founded the "Abhinay Acting Academy."

# US singer takes a dig at Rahul Gandhi, defends PM Modi amid strained US-India relations

American singer Mary Milben criticized Rahul Gandhi and appeared to support PM Modi



in a social media post. On her former Twitter account, American singer Mary Milben defended Prime Minister Modi and criticized Rahul Gandhi. She also praised PM Modi's policies. The singer stated, "Prime Minister Modi is not afraid President Trump." American singer Mary Milben writes in her post, "You are wrong, Rahul Gandhi. Prime Minister

Modi is not afraid of President Trump. Prime Minister Modi understands the long-term strategy, and his diplomacy with the United States is strategic. Just as the Americans put American interests first, Prime Minister Modi will do what is best for India. I appreciate this. This is what heads of state do. They do and say what is best for their country. I don't expect you to understand this kind of leadership because you lack the intelligence to be India's Prime Minister." You better go back to your India-hating tour, whose only audience is you.

#### Geeta Basra returns to the big screen after a decade. What are her career plans? She said, "The doors will soon close for someone..."

Geeta Basra had distanced herself from films after marrying cricketer Harbhajan Singh, but she has once again become active in the acting world. She is also hosting a talk show. Recently, Geeta Basra spoke with Amar Ujala Digital about her career. After nearly a decade, Geeta Basra has made a comeback with the Punjabi film "Meher." Not limited to films, she is now hosting the talk show "Who's The Boss?" with her husband and cricketer Harbhajan Singh. Recently, Geeta Basra spoke with Amar Ujala Digital about her new innings. Read the highlights of the conversation: Your comeback Punjabi film "Meher" received love from audiences, but the box office figures were not as good. How do you feel about this? People loved the film very much. It's a family film, with emotion, romance, and drama. The box office figures didn't match the audience's love. In fact, we were releasing the film at a time when the atmosphere in Punjab was not good. We knew it wasn't the right time. But in my opinion, the film was excellent. There couldn't have been a better opportunity for my comeback. You've been in the industry for almost a decade. Did you deliberately decide to work less? It wasn't a matter of choice; life has different chapters. Sometimes certain things are more important. For me, my family came first. My children were young. After marriage, my focus was on family. Now that my children are grown, I have more time for myself. Now, I'm working on my passion and enjoying the process. I'm not just chasing numbers. Although, before marriage, the film industry wasn't supportive of women, I believe that whatever happened was for the good. Now, you're hosting the talk show "Who's The Boss?" with Harbhajan Singh. How is that experience? Hosting a show is a completely new experience for me. I'm enjoying this work. It's completely natural. Our show discusses relationships, love, laughter, and everything. It's all completely natural. I agree that acting will always be my first love, but hosting allows me to connect with the audience in a different way. This show also has moments that people don't usually see on screen. This talk show is fun, sometimes a little spicy. As a cricketer's wife, how do you navigate popularity and criticism? Popularity is always there, whether you're married to a cricketer or not. People are quick to form opinions online, sometimes without reason. But at home, we're just ordinary people. Criticism doesn't define us. It's important to focus on your life, family, and work. Do actresses face more criticism than male actors in the industry? It's not that actresses face more criticism than male actors. If people like you, they'll praise you; if they don't, they'll criticize you. It doesn't matter whether you're an actress or an actor. Today, the rules have changed. Star power isn't what it used to be, and producers also feel this pressure. Women-centric stories are now mostly on digital platforms. OTT has brought about this change. You've praised Priyanka Chopra as an idol. What's the most inspiring thing about her? Priyanka is completely.